www.navpradesh.com

दैनिक
नव प्रदेश
प्रदेश के साथ पूरा देश...

अंदर के पृष्ठों पर ❖❖ 3 | राजधानी 4 | अभिव्यक्ति 5 | आंचलिक 7 | गणतंत्र दिवस विशेष

RNI NO.CHHHIN/2015/62431 बिलासपुर, शुक्रवार 28 जनवरी 2022, कृष्ण पक्ष एकादशी, विक्रम संवत-2077 वर्ष-07 अंक-282 पृष्ठ-08 मूल्य-3 रुपए रायपुर, बिलासपुर, भोपाल, जबलपुर व रांची से एक साथ प्रकाशित

//-- सुविचार --//

किरण चाहे सूर्य की हो या फिर आशा की जीवन के सभी अंधकार मिटा देती है।

आज बेबाक

उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने पहले पाकिस्तान के जनक जिन्ना का महिमा मंडन किया था। अब उन्होने कहा है कि पाकिस्तान हमारा सबसे बड़ा दुश्मन नहीं है। तुष्टिकरण की राजनीति के चलते वोटों के ये सौदागर किसी भी हद तक जा सकते है। वैसे अखिलेश यादव की बात सही है। पाकिस्तान हमारा सबसे बड़ा दुश्मन नहीं है। भारत के सबसे बड़े दुश्मन तो वे आस्तिन के सांप है जो खाते इस देश का है और गाते पाकिस्तान का है। पाकिस्तान को तो भारत जब चाहे नेस्तनाबूद कर सकता है लेकिन इन गद्दारों को पहचानना और निपटाना आसान नहीं है।

सूर्योदय

उदय : 7.12 प्रात:

अस्त : 6:07 संध्या

जनसंख्या

विश्व : 7,923,108,490

भारत : 1,401,715,222

बाजार

सेंसेक्स : 57,276.94

निफ्टी : 17,110.15

गोल्ड : 49,650 प्रति 10 ग्राम

चांदी : 63,200 प्रति किग्रा

अण्डा दर : 4.46 प्रति नग

प्रदेश का मौसम

स्थान	अधिकतम	न्यूनतम
रायपुर	24.4	13.8
बिलासपुर	22.9	12.5
जगदलपुर	26.2	14.5
अंबिकापुर	18.9	09.2

दो नोनियों पर बैंक खाते में सीधे जाएंगे 20-20 हजार

हफ्ते में 2 दिन मिलेगी छुट्टी

गणतंत्र दिवस पर सीएम भूपेश ने दी प्रदेश को कई सौगातें

रायपुर/नवप्रदेश। 73वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर प्रदेश के मुखिया भूपेश बघेल ने प्रदेशवासियों को कई सौगातें दी। उन्होंने बस्तर जिला मुख्यालय जगदलपुर में ध्वजारोहण के बाद प्रदेश की जनता के नाम अपने संदेश के दौरान कई नई घोषणाएं की। जिसमें मुख्य रूप से सरकारी कर्मचारियों को अब रविवार के साथ-साथ शनिवार को भी छुट्टी दी जाएगी, इसके अलावा अंशदायी पेंशन योजना में भी बदलाव किया गया है। मुख्यमंत्री ने अपने गणतंत्र दिवस भाषण में अनियमित भवन निर्माण के नियमितीकरण के लिए इसी वर्ष एक व्यवहारिक, सरल एवं पारदर्शी कानून बनाने की घोषणा की। इससे अनेक नागरिक प्रत्यक्ष रूप से लाभान्वित होंगे और वे अपनी मेहनत से किए गए निर्माण को नियमित कराकर स्वाभिमान से जीवन-यापन एवं रोज़गार कर सकेंगे। उन्होंने रिहायशी क्षेत्रों में संचालित व्यवसायिक गतिविधियों के नियमितीकरण के लिए भी आवश्यक प्रावधान किए जाने कि घोषणा की जिससे हजारों व्यवसाई आत्मविश्वास के साथ अपना व्यवसाय संचालित कर सकें।

शेष पृष्ठ 6 पर

दो बेटियों पर 20-20 हजार

उन्होंने श्रमिक परिवारों की बेटियों की शिक्षा, रोजगार, स्वरोजगार तथा विवाह में सहायता के लिए 'मुख्यमंत्री नोनी सशक्तीकरण सहायता योजना' शुरू किए जाने का ऐलान किया। इस योजना के तहत 'छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मण्डल' में पंजीकृत हितग्राहियों की प्रथम दो पुत्रियों के बैंक खाते में 20-20 हजार रुपए की राशि का भुगतान एकमुश्त किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने इसके साथ ही सभी जिला मुख्यालयों तथा विकासखण्ड स्तर पर 'मुख्यमंत्री श्रमिक संसाधन केन्द्र' और प्रत्येक विकासखंड में आईटीआई खोले जाने की भी घोषणा की।

'डायरेक्ट भवन अनुज्ञा प्रणाली' प्रारम्भ

प्रदेश में नगर निगम से बाहर के ऐसे क्षेत्र जो निवेश क्षेत्र में शामिल हैं, वहां 500 वर्गमीटर तक का भवन विन्यास बिना किसी मानवीय हस्तक्षेप के तय समय-सीमा में जारी किए जाने की घोषणा की। उन्होंने बताया कि नगर निगमों में 500 वर्गमीटर तक के भवनों में मानवीय हस्तक्षेप के बिना 'डायरेक्ट भवन अनुज्ञा प्रणाली' प्रारम्भ कर दी गई है। उन्होंने नगरीय-निकायों में नल कनेक्शन प्राप्त करने की प्रक्रिया को 'डायरेक्ट भवन अनुज्ञा' की तर्ज पर मानवीय हस्तक्षेप मुक्त बना कर समय-सीमा में नल कनेक्शन दिए जाने की भी घोषणा की।

सरकारी पट्टे पर ली गई जमीन होगी फ्री होल्ड

मुख्यमंत्री ने ग्रामीण क्षेत्रों में भी शासकीय पट्टे की भूमियों को फ्री होल्ड किए जाने का ऐलान किया। उन्होंने कहा कि सरकार ने शहरी क्षेत्रों में आबादी, नजूल एवं स्लम पर स्थित पट्टों को फ्री होल्ड करने का निर्णय लिया था, जिससे नागरिकों को भूमि-स्वामी का हक प्राप्त हुआ। अब इसे ग्रामीण क्षेत्रों में भी लागू किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने अन्य पिछड़ा वर्ग के लोगों में उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए औद्योगिक नीति में संशोधन कर इस प्रवर्ग के लिए दस प्रतिशत भू-खण्ड आरक्षित किए जाने की घोषणा की। यह भू-खंड भू-प्रीमियम दर के दस प्रतिशत दर तथा एक प्रतिशत भू-भाटक पर उपलब्ध कराया जाएगा। उन्होंने मुख्यमंत्री शहरी स्लम स्वास्थ्य योजना की सफलता को देखते हुए इसका विस्तार प्रदेश के सभी नगरीय निकायों में किए जाने की घोषणा की।

भूपेश-रमन का ट्विटर वार

वित्तीय स्थिति पर आमने-सामने

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ में वित्तीय स्थिति को लेकर सीएम भूपेश बघेल और पूर्व सीएम डॉ. रमन सिंह की ट्वीटर पर चल रहे जंग ने सियासत गरमा दिया है। सरकार वित्तीय साख को बचाने की कोशिश में है तो वहीं विपक्ष ने निशाना साधते हुए सरकार के दिवालियेपन की बात कही है। दरअसल, आर्थिक चुनौतियों से जूझ रहे छत्तीसगढ़ सरकार के वित्त विभाग ने सभी निगम, मंडलों और प्राधिकरणों को अपनी बची हुई राशि को डिपॉजिट में जमा करने का निर्देश दिया है। इस निर्देश के बाद भाजपा को फिर एक मुद्दा सरकार को घेरने के लिए मिल गया है। डॉ रमन सिंह ने, डिपॉजिट के लिए जारी किये गए निर्देशों की कॉपी ट्वीटर पर साझा करते हुए मुख्यमंत्री भूपेश बघेल पर निशाना साधा है। वहीं सीएम बघेल ने भी डॉ रमन सिंह को उनका कार्यकाल याद दिलाते हुए पलटवार किया है। शेष पृष्ठ 6 पर

वोटर्स को साधने में चुकी भाजपा, टूटता गया वोटबैंक, छूटते गए वोटर

नरेश सोनी

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ अलग राज्य बनने के बाद यहां विधानसभा के कुल 4 चुनाव हुए, जिनमें से 3 चुनाव जीतकर भाजपा ने सरकार बनाई, लेकिन इन तीनों ही चुनावों में 90 सीटों वाले राज्य में भाजपा को कभी 50 से ज्यादा सीटें नहीं मिल पाई। सत्ता के मद में चूर रहे भाजपा के नेताओं ने यह देखने की जहमत नहीं उठाई कि क्यों राज्य का एससी-एसटी वोटर लगातार उसका साथ छोड़ता रहा? वहीं, पीछे छूट रहे ओबीसी वोटर्स को भी साथ लेने की कोई कोशिश नहीं की गई। इसके विपरीत इन समाजों से जुड़े अग्रणी नेताओं को लगातार ठिकाने लगाया जाता रहा, ताकि सत्ता में भागीदारी से बचा जा सके। तथाकथित विकास का महिमामंडन कर भाजपा हर बार चुनाव लड़ती रही और अंत में नतीजा यह निकला कि वह महज 14 सीटों तक सिमटकर रह गई। छत्तीसगढ़ विधानसभा की कुल 90 सीटों में से 39 सीटें एससी-एसटी के लिए आरक्षित हैं। इनमें एससी की 10 और एसटी की 29 सीटें शामिल है। माना जाता रहा है कि यही 39 सीटें सत्ता तक पहुंचने का मार्ग होती हैं। आंकड़े भी इसकी तस्दीक करते हैं। 2018 के पिछले चुनाव में कांग्रेस ने इन्हीं सीटों की बदौलत प्रदेश में अभूतपूर्व बहुमत के साथ सरकार बनाई। कांग्रेस को एसटी आरक्षित 29 सीटों में से 25 पर एकतरफा जीत मिली। वहीं एससी आरक्षित 10 सीटों में से 7 पर सफलता हासिल हुई। इन्हीं की बदौलत कांग्रेस 68 सीटों पर जीत का परचम लहरा पाई। प्रदेश में एसटी वोटर्स करीब 32 फीसद है, जो बहुधा बस्तर और सरगुजा जैसे पहाड़ी इलाकों में बसते हैं। 2013 के चुनाव में कांग्रेस को एसटी की 29 सीटों में से 18 पर जीत मिली थी। बावजूद इसके पार्टी सत्ता से दूर रही। भाजपा को तब 11 सीटों पर जीत मिली थी। लेकिन 2018 के चुनाव ने उसे महज 3 सीटों पर समेट दिया। राज्य में अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित सीटों पर जीत को सत्ता प्राप्त करने के लिए महत्वपूर्ण माना जाता है। वर्ष 2008 के चुनाव में भाजपा ने राज्य में 50 सीटों पर विजय प्राप्त की थी और अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित 29 सीटों में से 19 सीटों पर जीत हासिल कर सरकार बनाई थी। तब कांग्रेस को इन सीटों में से केवल 10 सीटों पर ही जीत मिली थी। शेष पृष्ठ 6 पर

अजा-जजा वोटर्स ने नकारा

2013 में आदिवासी समाज के लिए सुरक्षित 29 सीटों में से 17 पर कांग्रेस को जीत हासिल हुई थी। 12 सीटें भाजपा के पास थीं। आदिवासी बहुल बस्तर में तो मामला एकतरफा था। यहां की आठ सीटों पर कांग्रेस ने कब्जा किया। वहीं सरगुजा की 9 आदिवासी सीटों में से 5 का परिणाम भाजपा के पक्ष में और 4 का कांग्रेस के पक्ष में गया था। इसके उलट अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित 10 सीटों में से केवल एक मस्तूरी पर कांग्रेस का उम्मीदवार विजयी हुआ। शेष 9 भाजपा के खाते में गई। अजा वर्ग में खासा जनाधार रखने वाली बसपा को एक भी सुरक्षित सीट नहीं मिली। बसपा का एकमात्र विधायक जैजैपुर की सामान्य सीट पर जीता। 2013 के मुकाबले 2018 में भाजपा के हालात बेहद खराब रहे। न केवल बस्तर अपितु सरगुजा से भी उसका सूपड़ा साफ हो गया। आदिवासियों ने भाजपा को पूरी तरह से नकार दिया।

26 जनवरी गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

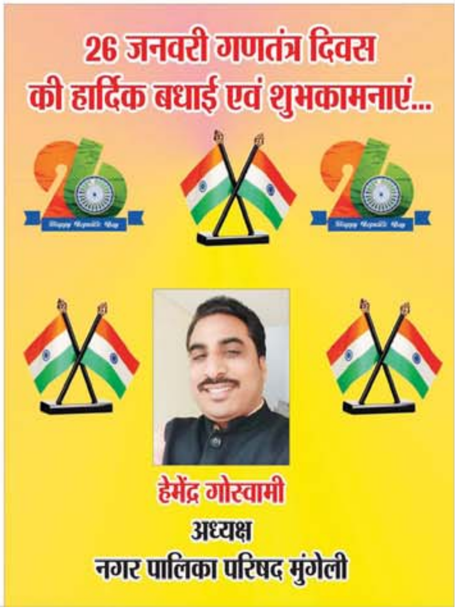

मिशन 2023 की तैयारियों में जुटी कांग्रेस

ऑनलाइन सदस्यता अभियान पर जोर

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ में कांग्रेस अपने मिशन 2023 की तैयारियों में जुट गई है। यानी कांग्रेस दुबारा छत्तीसगढ़ की सत्ता में वापसी के लिए एड़ी चोटी का जोर लगाना भी शुरू कर दिया है।

छत्तीसगढ़ में वर्ष 2023 में विधानसभा और 2024 में होने वाले लोकसभा चुनाव के मद्देनजर संगठन को मजबूत करने के लिए कांग्रेस पार्टी ने बीते 3 माह से सदस्यता अभियान चला रही है। सदस्यता अभियान शुरू होने के पहले प्रदेश में कांग्रेस के सदस्यों की संख्या छह लाख थी। अभियान को 31 मार्च तक चलाने का निर्णय लिया गया है, और सदस्यों की संख्या 10 लाख पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है। अभी भी कई जिलों में लक्ष्य की पूर्ति नहीं होने की बात सामने आ रही है। जिसके बाद प्रदेश प्रभारी पीएल पुनिया ने रायपुर में समीक्षा बैठक के दौरान सभी वरिष्ठ पदाधिकारियों को समय सीमा में अभियान को पूरा करने के लिए को अल्टीमेटम दिया था।

इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए कांग्रेस ने अब डिजिटल सदस्यता अभियान का भी आगाज़ करने जा रही है। डिजिटल सदस्यता अभियान के लिये नियुक्त चीफ एनरोलर, जोन अध्यक्षों का संभागीय प्रशिक्षण शिविर कार्यक्रम संभागवार निर्धारित की गयी है। जिसमें 30 जनवरी बस्तर संभाग राजीव भवन जगदलपुर में दोपहर 12 बजे, 31 जनवरी को दुर्ग संभाग राजीव भवन दुर्ग में दोपहर 12 बजे, 1 फरवरी को बिलासपुर संभाग कांग्रेस भवन बिलासपुर में दोपहर 12 बजे, 2 फरवरी को सरगुजा संभाग राजीव भवन अंबिकापुर में दोपहर 12 बजे, 3 फरवरी रायपुर संभाग राजीव भवन रायपुर में दोपहर 12 बजे होगी।

प्रशिक्षण शिविर में छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम, अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सचिव एवं छत्तीसगढ़ प्रभारीद्वय डॉ. चंदन यादव, सप्तगिरी शंकर उल्का, डिजिटल मेंबरशिप के ट्रेनर विशाल मीणा, डिजिटल सदस्यता अभियान के प्रदेश समन्वयक पीयुष कोसरे,

प्रदेश कांग्रेस के महामंत्री डॉ. थानेश्वर पाटिला, प्रदेश युवा कांग्रेस के अध्यक्ष पूर्णचंद पाढ़ी, प्रदेश कांग्रेस आई.टी. सेल के अध्यक्ष जयवर्धन बिस्सा तथा एनएसयूआई के प्रदेश अध्यक्ष नीरज पांडेय विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे।

डॉ. भीमराव अंबेडकर की दूरदर्शिता और दर्शन ने संविधान को विशिष्ट बनाया : राज्यपाल

■ **राज्यपाल हिदायतुल्ला राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय के वेबिनार में हुई शामिल**

रायपुर/नवप्रदेश। राज्यपाल सुश्री अनुसुईया उइके गत दिवस हिदायतुल्ला राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय नया रायपुर द्वारा आयोजित ''डॉ. भीमराव अंबेडकर स्मृति व्याख्यान'' में वर्चुअल रूप से शामिल हुई। राज्यपाल ने इस अवसर पर कहा कि भारत के संविधान में समावेशी विकास के आदर्शों की परिकल्पना की गई है। साथ ही संविधान सामाजिक न्याय की अवधारणा पर भी बल दिया गया है। संविधान प्रारूप समिति के अध्यक्ष डॉ. भीमराव अंबेडकर की दूरदर्शिता, दर्शन और विचारधारा ने संविधान को विशिष्ट बनाया।

वेबिनार को मुख्य वक्ता के रूप में संबोधित करते हुए राज्यपाल ने कहा कि डॉ. अंबेडकर के अनुसार, सामाजिक न्याय, एक आदर्श या न्यायपूर्ण समाज के निर्माण का एक साधन है। डॉ. अंबेडकर के लिए एक न्यायपूर्ण समाज जातिविहीन समाज है जो सामाजिक न्याय के सिद्धांतों और स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व के तीन घटकों के संयोजन पर आधारित है। सुश्री उइके ने कहा कि सामाजिक न्याय पर हम संवैधानिक प्रावधानों के लिए हम बाबा साहेब के बहुत ऋणी हैं। आज जब पूरा भारत

प्रगतिशील भारत के 75 वर्ष और इसके लोगों, संस्कृति और उपलब्धियों के गौरवशाली इतिहास के उपलक्ष्य में आजादी का अमृत महोत्सव मना रहा है, मैं इस महान दूरदर्शी के लिए अपना सम्मान और आभार व्यक्त करती हूं। विश्वविद्यालय ने डॉ. अंबेडकर के योगदान को रेखांकित करते हुए गणतंत्र दिवस के अवसर पर उन्हें यह सम्मान दिया। उन्होंने महान भारत रत्न के आदर्शों के लिए प्रतिबद्ध होने का आग्रह किया ताकि हम अपनी भावी पीढ़ी के लिए एक विरासत को संजोकर रख सकें।

इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के सभी वरिष्ठ संकाय सदस्य, शिक्षाविद और विद्यार्थी ऑनलाइन माध्यम से जुड़े थे।

■ न्यूज गैलरी

मुख्यमंत्री ने पूजा अर्चना कर बस्तर एवं छत्तीसगढ़ की खुशहाली की कामना की

रायपुर/जगदलपुर। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने आज अपने बस्तर प्रवास के दौरान माँ दंतेश्वरी मंदिर में मां दंतेश्वरी की पूजा अर्चना कर बस्तर एवं प्रदेश की जनता की खुशहाली की कामना की। इस दौरान सांसद दीपक बैज, बस्तर विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष लखेश्वर बघेल, संसदीय सचिव रेखचन्द जैन, महापौर श्रीमती सफिरा साहू, क्रेडा के अध्यक्ष मिथलेश स्वर्णकार, मछुवा कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष एम आर निषाद एवं संभगायुक्त श्याम धावड़े, आईजी सुंदरराज पी, कलेक्टर रजत बंसल, पुलिस अधीक्षक जितेंद्र मीणा सहित जनप्रतिनिधि एवं अधिकारीगण उपस्थित थे।

कमिश्नर कार्यालय में उपायुक्त श्रीमती सरिता तिवारी ने किया ध्वजारोहण

रायपुर/नवप्रदेश। गणतंत्र दिवस के अवसर पर उपायुक्त श्रीमती सरिता तिवारी ने ध्वजारोहण कर अधिकारी-कर्मचारियों को 73 वें गणतंत्र गणतंत्र दिवस की बधाई और शुभकामनाएं दी। उन्होंने इस अवसर पर कहा कि समाज एवं राष्ट्र की सेवा कर सभी अपने दायित्व का निर्वहन करें।संविधान देश के लोगों को शैक्षिक, आर्थिक, सामाजिक एवं राजनैतिक रूप से समान अवसर देता है।संविधान प्रदत्त अपने अधिकारों के साथ-साथ देश के प्रति लोग अपने कर्तव्यों का निर्वहन करें। इस अवसर पर कमिश्नर कार्यालय के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

सिक्ख समुदाय ने वीर बाल दिवस की घोषणा पर पीएम के प्रति आभार जताया

रायपुर/नवप्रदेश। राज्यपाल सुश्री अनुसुईया उइके से आज यहां राजभवन में छत्तीसगढ़ सिक्ख काउंसिल के श्री अमरजीत सिंह छाबड़ा के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने आभार पत्र सौंपा। पत्र में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के प्रति आभार व्यक्त किया गया, जिन्होंने सिक्ख धर्म के दसवें गुरू श्री गुरू गोविंद सिंह के बेटों की शहादत के प्रति सम्मान स्वरूप 26 दिसंबर को वीर बाल दिवस मनाए जाने की हाल ही में घोषणा की है। श्री छाबड़ा ने कहा कि इस घोषणा से सिक्ख समुदाय सहित देश की आने वाली पीढ़ी को सिक्खों के गौरवमयी इतिहास को जानने का अवसर मिलेगा। राज्यपाल ने कहा कि आपके ये विचार प्रधानमंत्री जी तक प्रेषित किए जाएंगे। उन्होंने सिक्ख समुदाय की दानशीलता की भावना की सराहना की और कहा कि कोविड काल में भी समुदाय ने जरूरतमंदों की मदद के लिए आगे बढ़कर सहयोग किया।

आज शाम में नहीं होगी पानी की सप्लाई, पूरे शहर में 10 घंटे तक शटडाउन

रायपुर/नवप्रदेश। राजधानी रायपुर में आज शाम पूरे शहर की सप्लाई रोक दिन जाएगी। बताया जा रहा है कि, फ़िल्टर प्लांट में 10 घंटे शटडाउन की वजह से शहर के कई इलाकों में वाटर सप्लाई नहीं की जाएगी। बता दें कि शहर की सभी 33 पानी टंकियों को शटडाउन किया जाएगा। मंगलवार सुबह 8 से शाम 6 बजे तक मेंटेनेंस का काम चलेगा। वही नगर निगम द्वारा गर्मी से पहले फ़िल्टर प्लांट से लेकर टंकियों तक की तैयारी की जा चुकी है। मिली जानकारी के अनुसार पेयजल सप्लाई की व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए शटडाउन लिया जा रहा है। बता दें इससे रायपुर की 1,010,433 जनता प्रभावित होगी। इसके साथ ही पानी सप्लाई रोकने से बहुत से काम ठप होने की संभावना जताई जा रही है।

10वीं-12वीं के छात्रों को परीक्षा में बैठने के लिए दो असाइनमेंट जमा करना अनिवार्य

रायपुर/नवप्रदेश। कोरोना काल में 10वीं और 12वीं की आयोजित होने वाली परीक्षा से पहले छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल ने सोमवार को एक आदेश जारी किया है। आदेशानुसार बोर्ड परीक्षा में बैठने के लिए दो असाइनमेंट जमा करना अनिवार्य किया गया है।बता दें कि 10वीं और 12वीं बोर्ड के छात्रों को कुल 6 असाइनमेंट दिये गए हैं। दरअसल दो असाइनमेंट पूरा कर जमा करने वाले छात्रों को ही 2 मार्च से शुरू हो रही परीक्षा में बैठने की अनुमति होगी। वहीं इस बार भी सिलेबस में 30 प्रतिशत की कटौती के साथ परीक्षा ली जाएगी. माध्यमिक शिक्षा मंडल ने इस साल प्रदेश में बोर्ड परीक्षाएं ऑफलाइन लेने का फैसला लिया है और टाइम टेबल भी दिसंबर में ही जारी कर दिये हैं।

गली, मोहल्लों से लेकर रिहाइशी क्षेत्रों में संचालित दुकानें होगी नियमित

■ **व्यवसायिक गतिविधियों के नियमितिकरण की घोषणा का चेम्बर द्वारा स्वागत**

■ **8 लाख से अधिक व्यापारी होंगे लाभान्वित**

■ **गणतंत्र दिवस के दिन व्यापारियों के लिए बड़ी सौगात**

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के प्रदेश अध्यक्ष अमर पारवानी, महामंत्री अजय भसीन, कोषाध्यक्ष उत्तम गोलछा, कार्यकारी अध्यक्ष राजेन्द्र जग्गी, विक्रम सिंहदेव,राम मंधान, मनमोहन अग्रवाल ने जानकारी दी कि गणतंत्र दिवस के दिन राज्य सरकार ने व्यापारियों को बड़ी सौगात दी है। इससे 8 लाख व्यापारी लाभान्वित होंगे।

प्रदेश के गली, मोहल्लों से लेकर रिहाइशी क्षेत्रों में संचालित दुकानें अब नियमित होगी। चैंबर की मांग पर मुख्यमंत्री ने इस महती योजना को स्वीकृति प्रदान कर दी है। व्यवसायिक गतिविधियों के नियमितिकरण की घोषणा का चेम्बर ऑफ कॉमर्स ने स्वागत किया है। कुछ दिनों पूर्व रिहाइशी, आवासीय और गैर व्यवसायिक इलाकों में चल रही दुकानों को

चैंबर की मांग पर मुख्यमंत्री ने दी स्वीकृति

वैध मान्यता देने हेतु चेम्बर ने माननीय मुख्यमंत्री भूपेश बघेल जी को ज्ञापन दिया था, जिस पर त्वरित कार्यवाही करते हुए माननीय मुख्यमंत्री जी ने आज 26 जनवरी को घोषणा करते हुए प्रदेश के लाखों व्यापारियों को सौगात दी है। रिहाइशी क्षेत्रों में संचालित व्यवसायिक गतिविधियों के नियमितिकरण हेतु आवश्यक प्रावधान करने की घोषणा की है। इस घोषणा से व्यापार जगत में हर्ष व्याप्त है।

26 जनवरी के पावन दिवस पर माननीय मुख्यमंत्री जी ने चेम्बर के निवेदन पर व्यापारियों को यह बहुत बड़ी सौगात दी है। माननीय मुख्यमंत्री जी के द्वारा प्रारंभ की गई अनेक जनकल्याणकारी योजनाओं से राज्य के सभी वर्गों, आम जनता एवं व्यापारी वर्ग को लाभ हो रहा है।

चेम्बर प्रदेश अध्यक्ष श्री अमर पारवानी ने कहा कि छत्तीसगढ़ के लगभग हर जिले में बड़ी संख्या में रिहाइशी कालोनी मोहल्लों में छोटी-बड़ी दुकानें चल रही है और रहवासी क्षेत्रों में सामानों के आवश्यकतानुसार यहां दुकानें /व्यवसायिक प्रतिष्ठानें खुल गये हैं जिसके परिणामस्वरूप आवासीय क्षेत्रों में दुकानों /व्यवसायिक प्रतिष्ठानों का संचालन हो रहा है जिसके जरिये आसपास के लोगों को जरूरतों के सामान उपलब्ध होने के साथ ही प्रदेश में लगभग 10 लाख से अधिक लोगों को रोजगार भी मिल रहा है । सरकार के इस कदम से व्यापारियों को बहुत बड़ी राहत मिलेगी और व्यापारी भयमुक्त एवं तनावमुक्त व्यापार कर सकेंगे। रिहाइशी क्षेत्रों में संचालित व्यावसायिक गतिविधियों के नियमितिकरण की यह योजना व्यापारीवर्ग के लिये बहुत बड़ी सौगात है जिसके लिये छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज माननीय मुख्यमंत्री जी का हार्दिक् धन्यवाद एवं आभार ज्ञापित करता है।

राज्यपाल को मुख्यमंत्री बघेल ने सुपुत्र के विवाह समारोह के लिए किया आमंत्रित

रायपुर/नवप्रदेश। राज्यपाल सुश्री अनुसुईया उइके से आज यहां राजभवन में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने भेंट कर उन्हें अपने सुपुत्र के विवाह में शामिल होकर आशीर्वाद देने का आग्रह किया। राज्यपाल सुश्री उइके ने मुख्यमंत्री को इस मांगलिक कार्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

एम्स में देशभक्तिपूर्ण माहौल में झंडारोहण

■ **कोविड में श्रेष्ठ योगदान के लिए चिकित्सक सम्मानित**

रायपुर/नवप्रदेश। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान में 73वां गणतंत्र दिवस देशभक्ति कार्यक्रमों के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर निदेशक प्रो. (डॉ.) नितिन एम. नागरकर ने झंडारोहण कर सभी को गणतंत्र दिवस की बधाई दी।

उन्होंने कहा कि भारतीय संविधान देश की नींव है। यही गणतंत्र दिवस का प्रतीक है। वर्ष 2012 में एम्स की स्थापना के बाद से एम्स में चिकित्सा सेवा के साथ अनुसंधान पर ध्यान केंद्रित कर निरंतर श्रेष्ठ प्रदर्शन का प्रयास किया जा रहा है। कोविड-19 के दौरान भी रोगियों को श्रेष्ठ उपचार प्रदान किया गया। एम्स परिवार ने कर्तव्यनिष्ठा और समर्पण की भावना के साथ दो वर्ष से अधिक समय तक सेवाभाव से रोगियों और परिजनों का भरोसा जीता है। उन्होंने चिकित्सकों और नर्सिंग स्टाफका आह्वान किया कि वे भविष्य में भी इसी प्रकार सेवाएं प्रदान करें।

प्रो. नागरकर ने आशा प्रकट की कि कोविड से उबरने के बाद देश अन्य क्षेत्रों में भी प्रगति के पथ पर आगे बढ़ेगा। इस अवसर पर श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले चिकित्सकों और कर्मचारियों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में डीन प्रो. एस.पी. धनेरिया और उप-निदेशक (प्रशासन) अंशुमान गुप्ता सहित चिकित्सक और कर्मचारी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. बीनू मैथ्यू ने किया।

एनएमडीसी ने मनाया 73वां गणतंत्र दिवस

हैदराबाद/रायपुर/नवप्रदेश। देश के सबसे बड़े लौह अयस्क उत्पादक एनएमडीसी ने कोविड दिशा.निर्देशों का विधिवत पालन करते हुए अपने प्रधान कार्यालय और परियोजनाओं में देशभक्ति की भावना के साथ भारत का 73वां गणतंत्र दिवस मनाया। सुमित देब, अध्यक्ष. सह. प्रबंध निदेशक, एनएमडीसी ने खनिज भवन, हैदराबाद में राष्ट्रीय ध्वज फहराया और एनएमडीसी के कर्मचारियों को संबोधित किया।

इस अवसर पर अमिताभ मुखर्जी, निदेशक; वित्तद्धय सोमनाथ नंदी, निदेशक; तकनीकीद्धय और दिलीप कुमार मोहंती, निदेशक; उत्पादन तथा कम्पनी के अन्य कार्मिक उपस्थित रहे। गणतंत्र दिवस के शुभ अवसर पर अपने संबोधन में सुमित देब ने कहा कि आज जब हमारा देश लौह और इस्पात के क्षेत्र में वैश्विक स्तरर पर अग्रणी बनने के लिए तत्पर है, एनएमडीसी भारत के बेहतर भविष्य निर्माण के लिए खनन कार्य जारी रखेगा। राष्ट्र और इसके संवैधानिक मूल्यों के प्रति कंपनी की प्रतिबद्धता की पुनर्पुष्टि करते हुए उन्होंने कहा कि ष्भारत के नागरिकों के सशक्तीकरण के

लिए एनएमडीसी की सामाजिक पहलें वैधानिक दायित्वों से नहीं बल्कि कर्तव्य और करुणा की भावना से प्रेरित है। इस अवसर पर श्री देब ने एनएमडीसी इम्पैक्ट लीग और नवीनीकृत एनएमडीसी वेबसाइट का शुभारंभ किया। एनएमडीसी इम्पैक्ट लीग कर्मचारियों और उनके परिवार के सदस्यों के लिए एक वॉकथ्रन चैलेंज एप्प है जो आज़ादी का अमृत महोत्सव और फिट इंडिया मूवमेंट के एक भाग के रूप में विकसित किया गया है। यह एप्प कर्मचारियों और उनके परिवार के सदस्यों को कंपनी के सीएसआर कार्यों में सहयोग करने का एक अवसर प्रदान करता है। फिटनेस के लिए गेमीफाइड यात्रा में इम्पैक्ट रन एप्लिकेशन कर्मचारियों और उनके परिवार के सदस्यों को एनएमडीसी के सामाजिक कार्यो के लिए वर्चुअल रूप में धन जुटाने में सक्षम बनाएगा।

कंपनी की नई वेबसाइट कंपनी का एक विहंगम अवलोकन प्रदान करती है। यह हितधारकों के लिए आकर्षक इंटरफेस प्रदान करती है जिसमें मात्र एक क्लिक के द्वारा वे कंपनी के संबंध में वांछित जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

अमृत महोत्सव के अंतर्गत विद्यांजली सामाजिक दायित्व गतिविधि का आयोजन

रायपुर/नवप्रदेश। पंजाब नेशनल बैंक मंडल कार्यालय भिलाई द्वारा आज दिनांक 26.01.2022 कोगणतंत्र दिवस के शुभ अवसर पर शासकीय माध्यमिक शालाए संगमपल्ली, तहसील भोपालपटनम, जिला बीजापुर छत्तीसगढ़में आज़ादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत विद्यांजली पहल कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व गतिविधि का आयोजन किया गया। जिसमें संगमपल्ली के शाखा प्रबंधक अरविंद कुजुर एवं बीजापुर के शाखा प्रबंधक, प्रदीप भादू द्वारा स्कूल के छात्रों में पाठ्य सामग्री का वितरण किया गया। कार्यक्रम के संबोधन में सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं के महत्व को समझाया गया एवं सभी को छोटी बचत से शुरुआत करने की सलाह दी गई।

हिंदुस्तान का भाई करेगा क्राइम पर अंतिम वार!

■ **ज़ी सिनेमा पर ब्लॉकबस्टर अंतिम : द फाइनल ट्रूथ का वर्ल्ड टेलीविजन प्रीमियर**

मुंबई। तू पुणे का नया भाई है, मैं पहले से हिंदुस्तान का भाई हूँ इस डायलॉग ने दर्शकों को हिला कर रख दिया। अंतिमः द फाइनल ट्रुथ को देश भर के दर्शकों से भारी सराहना मिली और ये बॉक्स ऑफिस पर अपने उल्लेखनीय प्रदर्शन के साथ 2021 की सबसे बड़ी सुपरहिट फिल्मों में से एक बन गई। सलमान खान की किसी भी अन्य फिल्म के विपरीत, अंतिम सिर्फ एक पारंपरिक एक्शन-नाटक से अधिक है। यह एक व्यापक भावनात्मक कनेक्ट के साथ भारी मनोरंजन है।

ये सभी के लिए कुछ नया पेश करेगा और आपको फिल्म से जोड़े रखेगा। महेश मांजरेकर का यह पावर-पैक डायरेक्टोरियल वेंचर पहले फ्रेम से आखिरी तक अपनी मुहर लगाता है और अपने अभिनेताओं को उनकी सीमा से परे धकेलता है। सुपरस्टार सलमान खान ने पहले कभी सिख पुलिस वाले का किरदार नहीं किया था। एक सिख पुलिस वाले के परोपकार की खोज में उन्होंने अपने प्रशंसकों को विस्मयचकित किया और आयुष शर्मा ने एक गैंगस्टर के रूप में अपने उल्लेखनीय परिवर्तन के साथ एक छाप छोड़ी! के.जी.एफ फेम संगीतकार रवि बसरूर ने बॉलीवुड में अपनी ज़बरदस्त शुरुआत की। विश्वसनीय किरदारों के साथ, 'अंतिम' खलनायक का पीछा करने वाले एक पुलिस की कहानी नहीं है और यही इसे

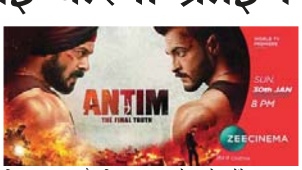

दिलचस्प बनाता है। दिलचस्प कहानी और कथानक में अप्रत्याशित मोड़ दर्शकों को आश्चर्यचकित करते रहेंगे। इस रविवार, टेलीविजन दर्शक सबसे ज़बरदस्त लड़ाई देख सकेंगे, क्योंकि सलमान खान एक बहादुर पुलिस इंस्पेक्टर राजवीर सिंह के रूप में शहर के सबसे नए गैंगस्टर राहुल्या (आयुष शर्मा) के साथ अंतिमः द फाइनल ट्रुथ के वर्ल्ड टेलीविजन प्रीमियर में ज़ी सिनेमा पर 30 जनवरी को रात 8 बजे आमने-सामने आयेंगे।

फिल्म में अपने अभूतपूर्व किरदार के बारे में बात करते हुए, सलमान खान ने कहा, ÷अंतिम में, मैंने एक पुलिस वाले की भूमिका निभाई, लेकिन इस बार थोड़े अलग तरीके से। यह मेरे द्वारा निभाए गए अब तक के सबसे कठिन किरदारों में से एक रहा है। सब कुछ- एक सिख पुलिस वाले के मेरे लुक से लेकर मेरी बोली तक और चरित्र का शांत-गंभीर व्यक्तित्व मेरी पिछली भूमिकाओं से बिल्कुल अलग है। कोई रोमांटिक गाने नहीं, ना ही एंग्री यंग मैन कैरेक्टर, फिर भी राजवीर सिंह का महत्वपूर्ण किरदार फिल्म को एक साथ जोड़ता है। अफवाहों के विपरीत, यह कोई कैमियो नहीं बल्कि फिल्म की एक प्रमुख भूमिका है। हमने राजवीर के चरित्र को दिलचस्प पाया और एक बैकस्टोरी के बारे में भी सोचा है जो एक फिल्म में तब्दील हो सकती है।

मुझे खुशी है कि लोगों ने दोनों किरदारों-राजवीर सिंह और राहुल्या के लिए इतना प्यार और समर्थन दिखाया है। आयुष को प्रोजेक्ट के लिए इतनी मेहनत करते हुए देखना आश्चर्यजनक था। मुझे काफी संभावनाएं दिख रही हैं और उसकी कड़ी मेहनत वास्तव में सामने आई है। ज़ी सिनेमा पर अंतिम के वर्ल्ड टेलीविज़न प्रीमियर के साथ, बड़े पैमाने पर मेरे प्रशंसक फिल्म का आनंद ले सकेंगे।÷ इस फिल्म के साथ अपनी शुरुआत करने वाली महिमा मकवाना ने कहा, यह मेरे लिए काफी बड़ा संक्रमण रहा है - छोटे पर्दे से फिल्मों तक। बड़े पर्दे पर आने का मेरा बचपन का सपना था जो अंतिम के साथ सच हुआ है।

जब मुझे इस भूमिका के लिए चुना गया, तो मुझे यह भी नहीं पता था कि सलमान सर इस फिल्म का हिस्सा बनने जा रहे हैं। मुझे इसके बारे में बाद में पता चला। खुद सुपरस्टार के साथ काम करने से मुझे पहले तो डर लगा था। हालांकि, जैसे ही हमने शूटिंग शुरू की, सलमान सर और महेश सर दोनों ने मुझे सहज और आत्मविश्वासी महसूस कराया।

संपादकीय

शत-प्रतिशत मतदान आखिर कब

देश में हर साल मतदान दिवस मनाया जाता है। निर्वाचन आयोग मतदाताओं को जागरूक करने के लिए अभियान भी चलाता है किन्तु शत-प्रतिशत मतदान का सपना आज भी दिवास्वप्न बना हुआ है। पता नहीं कब शत-प्रतिशत मतदान हो पाएगा? नगरीय निकाय और पंचायत चुनाव में जरूर 80 से 90 प्रतिशत तक मतदान होता है, कहीं-कहीं तो शत-प्रतिशत मतदान भी हो जाता है लेकिन विधानसभा और लोकसभा के चुनाव में औसतन 60 से 70 प्रतिशत ही मतदान हो पाता है। जाहिर है विधानसभा और लोकसभा के चुनाव में शत-प्रतिशत मतदान कराना एक बड़ी चुनौती है। उत्तर प्रदेश और पंजाब सहित पांच राज्यों के लिए होने जा रहे विधानसभा चुनाव को मद्दनजर रखकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भाजपा सहित सभी राजनीतिक पार्टियों के कार्यकर्ताओं से अपील की है कि वे मतदाताओं को जागरूक करें और अधिकाधिक मतदान सुनिश्चित करें। दरअसल विधानसभा और लोकसभा चुनाव पंचायत और नगरीय निकाय चुनाव की अपेक्षा बड़े चुनाव होते है और इन चुनावों के प्रति पार्टी कार्यकर्ता भी ईमानदारी से काम नहीं करते। यही वजह है कि अधिक मतदान नहीं हो पाता। भारतीय लोकतंत्र दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है लेकिन जहां तक मतदान का पश्न है तो आजादी के 70 सालों बाद भी मतदाताओं में मतदान के प्रति जागरूकता नहीं आ पाई है जबकि अब मतदान करना पहले की तुलना में अधिक आसान हो गया है। ईवीएम के कारण मतदान जल्दी हो जाता है। अब मतदाताओं को कतरा में लगकर घंटो प्रतिक्षा नहीं करनी पड़ती। इसके बाद भी बहुत से लोग मतदान के दिए छुट्टी मनाते है और सैर सपाटे पर निकल जाते है। शत-प्रतिशत मतदान के लक्ष्य को हासिल करने के लिए अब मतदान को अनिवार्य किया जाना चाहिए। इसके लिए सरकार को कारगर पहल करनी होगी। जो लोग मतदान नहीं करते उनको मिलने वाली तमाम शासकीय सुविधाएं तत्काल प्रभाव से बंद कर देनी चाहिए। इस तरह के कड़े कदम उठाने से ही लोग मतदान के महत्व को समझेंगे।

विचार

कर सुधार को गति देने का समय

कोविड-19 से पिछले दो वर्षों में छोटे आयकरदाताओं और मध्यम वर्ग की आर्थिक चुनौतियां खासा बढ़ गई हैं। ऐसे में, कर संग्रह में उछाल के बीच 1 फरवरी को जब केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण वर्ष 2022-23 का बजट पेश करेंगी, तो व्यक्तिगत आयकर के मोर्चे पर वह बड़ी छूट का एलान कर सकती हैं। उम्मीद की जा रही है कि वित्त मंत्री छोटे आयकरदाताओं और मध्यम वर्ग को राहत देते हुए इनकी क्रयशक्ति बढ़ाकर मांग में वृद्धि करने की रणनीति अपना सकती हैं।

इसमें दो मत नहीं है कि पिछले दो वर्षों में कोरोना संकट के कारण एक तरफ जहां बड़ी संख्या में लोगों के रोजगार गए, उनके वेतन-पारिश्रमिक में कटौती हुई और 'वर्क फ्रॉम होम' की वजह से टैक्स में छूट के कुछ माध्यम कम हो गए, तो वहीं दूसरी तरफ डिजिटल तकनीक, ब्रॉडबैंड, बिजली के बिल जैसे खर्चों में बढ़ोतरी से बड़ी संख्या में छोटे करदाताओं की आमदनी घट गई। इन दिनों महंगाई भी बढ़ गई है। दिसंबर 2021 में थोक महंगाई दर गिरकर 13.56 फीसदी पर रही, जबकि उसी महीने में खुदरा महंगाई दर बढ़कर 5.59 फीसदी पर पहुंच गई। पेट्रोल और डीजल की कीमतें भी ऊंची हैं। चूंकि कोरोना के कारण पैदा हुए आर्थिक हालात से लड़ने और छोटे करदाताओं व मध्यम वर्ग की क्रयशक्ति बढ़ाने के लिए पिछले वर्ष के बजट में कोई बड़ी राहत नहीं दी गई थी, इसलिए इस बार उम्मीद है कि सरकार टैक्स का बोझ कम करने के लिए अभूतपूर्व प्रोत्साहन दे सकती है।

छोटे करदाताओं व मध्यम वर्ग की मुश्किलों के बीच आयकर के पुराने स्लैब के पुनः निर्धारण की आवश्यकता खूब महसूस की जा रही है। आयकरदाताओं को राहत देते हुए सरकार को टैक्स छूट की सीमा दोगुनी कर पांच लाख रुपये कर देनी चाहिए। नए बजट में वित्त मंत्री को नौकरी-पेशा वर्ग के लोगों के लिए स्टैंडर्ड डिडक्शन की सीमा 75 हजार रुपये तक बढ़ानी चाहिए। इसी तरह, मौजूदा समय में धारा 80सी के तहत 1.5 लाख रुपये की छूट मिलती है, जिसमें ईपीएफ पीपीएफ एनएससी, जीवन बीमा, बच्चों की ट्यूशन फीस और आवास ऋण का मूलधन भुगतान भी शामिल है। मकानों की बढ़ती हुई कीमत को देखते हुए धारा 80सी के तहत 1.5 लाख रुपये की छूट पर्याप्त नहीं है। इस छूट की सीमा तीन लाख रुपये तक की जानी चाहिए। इससे बचत को लेकर लोग ज्यादा उत्सुक होंगे, क्योंकि कई टैक्स सेविंग्स निवेश इस सेक्शन के तहत आते हैं। इसी तरह, घर खरीदने के लिए लोगों को प्रोत्साहित करने के लिए सरकार को बजट में आवास ऋण के ब्याज पर टैक्स छूट का दायरा बढ़ाना चाहिए और इसकी सीमा दो लाख रुपये से बढ़ाकर चार लाख रुपये कर देनी चाहिए। इससे मकानों की ब्रिकी में तेजी आने की संभावना होगी। सरकार द्वारा आयकर अधिनियम की धारा 80डी के तहत कर कटौती की सीमा को भी बढ़ाना चाहिए। चूंकि अभी भी कोरोना की चुनौतियों के बावजूद देश में स्वास्थ्य बीमा अधिक चलन में नहीं है।

और अधिकतर लोगों के स्वास्थ्य बीमे का कवर कोरोना वायरस के कारण अस्पताल के खर्चे से निपटने के लिए पर्याप्त नहीं है, इसलिए 80डी के तहत स्वास्थ्य बीमा के प्रीमियम पर कर छूट को बढ़ाना चाहिए, ताकि करदाता स्वास्थ्य बीमा की तरफ प्रेरित हों। स्वास्थ्य बीमा को सस्ता किया जाना भी जरूरी है। इस पर 18 फीसदी जीएसटी है, जिसे कम किया जाना चाहिए। देश में करीब 14 करोड़ वरिष्ठ नागरिक हैं।

सिविल सेवा के लिए नियम

केएम चंद्रशेखर

क्या केंद्र में सेवा की शर्तें राज्यों की तुलना में खराब हो गई हैं, जिससे केंद्रीय प्रतिनियुक्ति राज्यों में नियुक्त अधिकारियों के लिए कम आकर्षक हो गई है? क्या उच्च स्तर पर पैनल प्रणाली में बदलाव ने उन अधिकारियों के लिए दरवाजे बंद कर दिए हैं जो अन्यथा केंद्र में सेवा के लिए उपलब्ध होते? क्या केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर आईएएस अधिकारियों के सेवा कार्यकाल में अनिश्चितता बढ़ गई है? भारत सरकार को इस तथ्य से भी अवगत होना चाहिए कि जमीनी स्तर के प्रशासन की जिम्मेदारी राज्यों की होती है। यहां तक कि केंद्रीय योजनाओं को भी बड़े पैमाने पर राज्य सरकारों के माध्यम से लागू किया जाता है। राज्यों से केंद्र में अधिकारियों का मनमाना और अचानक स्थानांतरण राज्य में शासन को कमजोर करते हुए अत्यधिक हानिकारक हो सकता है।

भारतीय प्रशासनिक सेवा सुर्खियों में है, क्योंकि पश्चिम बंगाल और अन्य राज्यों के मुख्यमंत्रियों द्वारा आईएएस अधिकारियों की प्रतिनियुक्ति संबंधी नियमों में केंद्र सरकार के प्रस्तावित संशोधनों पर गंभीर आपत्तियां दर्ज करायी गई हैं। प्रभावी शासन के लिए और सहकारी संघवाद की भावना का सम्मान करते हुए, नियमों में किसी भी बड़े बदलाव के लिए राज्यों के साथ परामर्श किया जाना चाहिए। आईएएस अधिकारियों की भर्ती, नियुक्ति, उन्हें प्रशिक्षण देने तथा विभिन्न राज्य कैडर में आवंटित करने का कार्य केंद्र सरकार द्वारा किया जाता है, आईएएस अधिकारियों को न केवल अपने राज्य कैडर में बल्कि, केंद्र सरकार में भी, जब भी ऐसा करने के लिए कहा जाये, सेवाएँ प्रदान करने का कार्यादेश दिया जाता है।

केंद्र सरकार में उप सचिव/निदेशक से सचिव तक के वरिष्ठ पदों पर विभिन्न राज्य कैडर से आईएएस अधिकारियों की केंद्रीय प्रतिनियुक्ति एवं अन्य सेवाओं के अधिकारियों, क्षेत्र-विशेष के विशेषज्ञों तथा अन्य अधिकारियों की नियुक्ति होने की उम्मीद की जाती है। इस प्रकार आईएएस अधिकारी उन राज्य सरकारों, जिनसे वे संबंधित हैं और केंद्र सरकार जो उनकी नियुक्ति प्राधिकारी है, के दोहरे नियंत्रण में होते हैं। आईएएस की योजना और संरचना में केंद्र और राज्य दोनों को- देश के प्रभावी शासन के लिए अधिकारियों की सेवाओं का उपयोग करने में सक्षम बनाने के लिए शक्ति के विभाजन की परिकल्पना की गई है।

आईएएस अधिकारियों की सेवा शर्तों से संबंधित मामलों में अंतिम अधिकार केंद्र सरकार में निहित है, जिसमें नियुक्ति, स्थानान्तरण और अनुशासनात्मक कार्रवाई शामिल हैं, लेकिन राज्य सरकारों के पास भी प्रासंगिक नियमों के माध्यम से इन मामलों में भागीदारी की भूमिका है। इसलिए केंद्र सरकार द्वारा प्रस्तावित आईएएस कैडर नियमों में बदलाव को हमारी अर्ध-संघीय राजनीति के अंतर्गत केंद्र एवं राज्य सरकारों की संरचना और कामकाज के संदर्भ में देखा जाना चाहिए।

विभिन्न मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक केंद्र सरकार द्वारा 5 और 12 जनवरी को लिखे दो पत्रों में आईएएस कैडर नियमों में बदलाव करने और कुछ जोड़ने का प्रस्ताव दिया गया है। पहले पत्र में प्रस्ताव है कि राज्य सरकारें ÷केंद्र सरकार में प्रतिनियुक्ति के लिए÷ विभिन्न स्तरों पर पात्र अधिकारी उपलब्ध कराएंगी, जिन्हें प्रतिनियुक्ति आरक्षित माना जायेगा। इसकी गणना केंद्र और राज्य

सरकारों द्वारा संयुक्त रूप से की जाएगी और असहमति की स्थिति में केंद्र सरकार का विचार अंतिम रूप से मान्य होगा। इसके अलावा, यह राज्य सरकारों को एक निर्दिष्ट अवधि के भीतर केंद्र सरकार के निर्देश को पूरा करने का कार्यादेश देता है। 12 जनवरी को लिखे पत्र के माध्यम से और आगे जाते हुए, केंद्र ने किसी भी केंद्रीय पद पर नियुक्ति के लिए किसी राज्य में किसी भी आईएएस अधिकारी की सेवाओं को प्राप्त करने का अधिकार अपने पास रखा है, जहां ÷राज्य सरकार निर्धारित समय के भीतर केंद्र के निर्णय को प्रभाव में लायेगी।÷ अधिक बदलाव के साथ यह कहा गया है कि यदि राज्य सरकार केंद्र सरकार द्वारा निर्दिष्ट अवधि के भीतर इस निर्देश की उपेक्षा करती है, तो अधिकारी (अधिकारियों) को केंद्र सरकार द्वारा निर्दिष्ट तिथि से कैडर से कार्यभार-मुक्त कर दिया जाएगा।

इन कदमों में जल्दबाजी दिखती है। ऐसा करना जरूरी हो गया, क्योंकि केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर जाने वाले अधिकारियों की संख्या में भारी गिरावट दर्ज की गयी है। एक अनुमान के मुताबिक, अनिवार्य आरक्षित वर्ग 2014 के 69 फीसदी से कम होकर 2021 में 30 फीसदी रह गया है। यह निश्चित रूप से गंभीर कमी को दर्शाता है, लेकिन नियमों में बड़े बदलावों का प्रस्ताव करने के बजाय, भारत सरकार को पहले आत्मनिरीक्षण करना चाहिए और जांच करनी चाहिए कि केन्द्रीय प्रतिनियुक्ति अब पहले की तरह लोकप्रिय क्यों नहीं रह गई है।

क्या केंद्र में सेवा की शर्तें राज्यों की तुलना में खराब हो गई हैं, जिससे केंद्रीय प्रतिनियुक्ति राज्यों में नियुक्त अधिकारियों के लिए कम आकर्षक हो गई है? क्या उच्च स्तर पर पैनल प्रणाली में बदलाव ने उन अधिकारियों के लिए दरवाजे बंद कर दिए हैं जो अन्यथा केंद्र में सेवा के लिए उपलब्ध होते? क्या केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर आईएएस अधिकारियों के सेवा कार्यकाल में अनिश्चितता बढ़ गई है? भारत सरकार को इस तथ्य से भी अवगत होना चाहिए कि जमीनी स्तर के प्रशासन की जिम्मेदारी राज्यों की होती है। यहां तक कि केंद्रीय योजनाओं को भी बड़े पैमाने पर राज्य सरकारों के माध्यम से लागू किया जाता है। राज्यों से केंद्र में अधिकारियों का मनमाना और अचानक स्थानांतरण राज्य में शासन को कमजोर करते हुए अत्यधिक हानिकारक हो सकता है।

इसके अलावा, गैर-भाजपा राज्य इस बात से चिंतित हैं कि वे अपने संवैधानिक रूप से प्रदत्त शासन करने के अधिकार के गंभीर उल्लंघन के रूप में देखते हैं, जिसमें कुछ औचित्य भी है राज्य संस्थानों के माध्यम से शासन करते हैं, जिनका एक महत्वपूर्ण हिस्सा आईएएस होते हैं। केंद्र सरकार और गैर-भाजपा राज्य सरकारों के बीच बढ़ते मतभेदों और टकराव के क्षेत्रों की पृष्ठभूमि में, प्रस्तावित संशोधनों पर विवाद टाला जा सकता है।

इसलिए यह अच्छा है कि केंद्र सरकार ने राज्यों के साथ परामर्श की प्रक्रिया शुरू की है। उन्हें अधिकारियों को भी शामिल करते हुए प्रक्रिया को व्यापक करने की सलाह दी जाएगी। इसके बाद राज्य तय करें कि केंद्र में प्रतिनियुक्ति के लिए विभिन्न स्तरों पर आईएएस अधिकारियों की समय पर उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए प्रस्तावित संशोधन सही दिशा में हैं, या नहीं ङ्क इसके साथ ही राज्यों के प्राधिकार, शासन की जिम्मेदारी और कार्यात्मक दक्षता को भी कमजोर नहीं किया जाना चाहिए तथा अधिकारियों पर अनुचित संकट और उनके पारिवारिक जीवन में व्यवधान भी पैदा नहीं होना चाहिए। अंत में, यह कहा जा सकता है कि समाधान, सहकारी संघवाद में निहित है। जैसा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 2015 में बर्नपुर में एक समारोह में कहा था, ÷हमारे संविधान ने हमें एक संघीय ढांचा दिया है। अफसोस की बात है कि केंद्र-राज्य संबंध लंबे समय से तनावपूर्ण थे। मैं मुख्यमंत्री रहा हूं, और मैं जानता हूं कि ऐसा नहीं होना चाहिए। इसलिए हमने सहकारी संघवाद पर फोकस रखते हुए बदलाव किये हैं... इसलिए मैं टीम इंडिया कहता हूं... टीम इंडिया के दृष्टिकोण के बिना देश आगे नहीं बढ़ सकता।

राजपथ पर दिखी भारत की बढ़ती सैन्य ताकत

योगेश कुमार गोयल

गणतंत्र दिवस परेड में राजपथ पर बीएसएफकी महिला टुकड़ी मार्च पास्ट का अहम हिस्सा रही। इसके अलावा 'सीमा भवानी' के नाम से विख्यात महिला बाइकर की टीम ने अपने हैरतअंगेज करतबों से हर किसी को दांतों तले उंगली दबाने को विवश किया। 2015 में पहली बार सेना के तीनों अंगों की पूरी महिला टुकड़ियों ने मार्च किया था। उसी समारोह में पहली बार सीआरपीएफके नक्सल विरोधी विशेष बल 'कोबरा' के कमांडो ने भी मार्च किया था। 2016 की परेड में फ्रांसीसी सैन्य दस्ता और 2017 में यूएई का सैन्य दस्ता भी शामिल हुआ था। 2017 की गणतंत्र दिवस परेड में पहली बार ऐसा हुआ था, जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी प्रोटोकॉल तोड़कर पैदल ही राजपथ पर चले थे। उसी परेड में पहली बार पूर्ण स्वदेशी हल्के लड़ाकू विमान 'तेजस' ने आसमान में अपने करतब दिखाए थे।

राष्ट्रीय गौरव के अवसर गणतंत्र दिवस पर गणतंत्र दिवस परेड भारत की ताकत को पूरी दुनिया के सामने रखने का एक बड़ा अवसर होता है और इस बार परेड में पूरी दुनिया ने राजपथ पर भारत की लगातार बढ़ती ताकत को देखा। गणतंत्र दिवस परेड में आयोजित किए गए रंगारंग कार्यक्रमों के अलावा देश की संस्कृति और परम्पराओं को प्रदर्शित करने के लिए निकाली गई झांकियों तथा पूरे विश्व को भारत की ताकत दिखाने के लिए सेनाओं के जवानों द्वारा किए गए अनोखे करतबों ने हर किसी का मोह लिया। सही मायनों में इस वर्ष परेड में राजपथ पर देश की सांस्कृतिक विरासत और सैन्य शक्ति की झलक स्पष्ट दिखाई दी। हालांकि कोरोना प्रोटोकॉल के चलते इस वर्ष परेड के दौरान होने वाले आयोजनों में कई बदलाव किए गए थे। देश की आजादी के 75 साल बाद पहली बार ऐसा हुआ, जब परेड 10 बजे के निर्धारित समय के बजाय आधे घंटे देरी से शुरू हुई और परेड का रूट 8.3 किलोमीटर से घटाकर 3.3 किलोमीटर कर दिया गया। परेड में सेना की मार्चिंग टुकड़ियों से लेकर टैंक, तोप और बैंड के अलावा वायुसेना के फ्लाईपास्ट ने इस आकर्षण में चार चांद लगा दिए। कई विमानों के फ्लाईपास्ट के दौरान भारत के लड़ाकू विमानों का शौर्य पूरी दुनिया को देखने को मिला।

गणतंत्र दिवस परेड के दौरान पहली बार वायुसेना के 75 लड़ाकू विमानों ने राजपथ पर अपनी ताकत दिखाई, जिनमें फ्रांस से आया राफेल भी सम्मिलित था। आजादी का अमृत महोत्सव मनाने के लिए 17 जगुआर विमानों ने 75 के आकार में उड़ान भरते हुए न केवल एक अलग रोमांच पैदा किया बल्कि पूरी दुनिया को भारत की बढ़ती वायुशक्ति का भी परिचय दिया। इस साल की परेड की सबसे विशेष बात यही रही कि इस बार 'आजादी का अमृत महोत्सव' थीम के मद्देनजर ही फ्लाईपास्ट में 39 लड़ाकू जेट विमान, 28 लड़ाकू हेलीकॉप्टर तथा तीनों सेनाओं का प्रतिनिधित्व करने वाले कुल 8 परिवहन विमान शामिल हुए। लड़ाकू जेट राफेल, जगुआर, मिग-29, सुखोई-30, डकोटा, डोर्नियर के अलावा समुद्री टोही विमान पी8आई और चिनूक, एएलएच तथा एमआई-17 हेलीकॉप्टर ने अपनी गर्जना के साथ पूरी दुनिया को भारत की बढ़ती सैन्य ताकत का अहसास कराया। दो चरणों में हुए फ्लाईपास्ट की शुरूआत 4 एमआई-17 हेलीकॉप्टर के साथ 'ध्वज' फॉरमेशन के साथ हुई। इसके बाद 'रूद्र' और 'राहत' फॉरमेशन में क्रमशः 4 व 5 एएलएच (एडवांस्ड लाइट हेलीकॉप्टर) राजपथ से गुजरे। फ्लाईपास्ट के दूसरे चरण में तीनों सेनाओं द्वारा उपयोग किए जाने वाले विभिन्न विमानों के साथ 13 फॉरमेशन हुए तथा आखिरी फॉरमेशन 'अमृत' में 17 जगुआर लड़ाकू विमान शामिल हुए।

फ्लाईपास्ट में 'वरूण' नामक फॉरमेशन में नौसेना के 2 मिग-29के विमानों के साथ नौसेना के लंबी दूरी के समुद्री टोही विमान पी8आई ने भी उड़ान भरी, जो एलएसी पर चीनी गतिविधियों पर नजर रखने के लिए लद्दाख और उससे पहले डोकलाम में भी तैनात किए गए थे। 'मेघना' फॉरमेशन में एक चिनूक हेलीकॉप्टर तथा चार एमआई-17 ने करतब दिखाए। परेड में 1971 की जंग में भारत की शानदार जीत का प्रतिबिम्ब स्पष्ट परिलक्षित हुआ, जो प्रत्येक भारतीय को गौरवान्वित करने के लिए पर्याप्त था। फ्लाईपास्ट में उड़ान भरने वाले विभिन्न फॉरमेशन को वायुसेना के 1971 की जंग के कई ऑपरेशनों के नामों के आधार पर नाम दिए गए थे। 'टेंगेल फॉरमेशन' फ्लाईपास्ट का अहम हिस्सा रहा, जिसमें एक डकोटा तथा दो डोर्नियर 1971 के युद्ध में टेंगेल एयरड्रॉप ऑपरेशन के लिए श्रद्धांजलि देते हुए विक फॉरमेशन में उड़ान भरते नजर आए। परेड में राफेल विमान सबसे महत्वपूर्ण भूमिका में नजर आए। 'विनाश' फॉरमेशन में पांच राफेल जेट ने दुनिया को भारत की निरन्तर बढ़ती ताकत से रूबरू कराया, वहीं 'बाज' फॉरमेशन में एक राफेल शामिल हुआ, जिसके किनारे दो जगुआर, दो सुखोई-30 तथा दो मिग-29 लड़ाकू विमान उड़ान भरते दिखाई दिए।

भारतीय सेना के 6 मार्चिंग सैन्य दलों में राजपूत रेजीमेंट, असम रेजीमेंट, जम्मू-कश्मीर लाइट इन्फैंट्री, सिख लाइट इन्फैंट्री, आर्मी ऑर्डनेंस कोर रेजीमेंट तथा पैराशूट रेजीमेंट भी गणतंत्र दिवस परेड में शामिल हुई।

पाठकों की बात — पत्र, प्रतिक्रियाएं, सोशल मीडिया

घुटनों के बल चलते

घुटनों के बल चलते चलते, ना जाने कब पैरों पर खड़ी हो जाती है,, समय यूँ गुजरता है पंख लगाकर , बेटियां ना जाने कब बड़ी हो जाती है.. सावन की ÷रिमझिम ÷फुहार जैसी, बागों मे फूलों की बहार जैसी , घर आँगन को चहका जाती है, हर कोने को महका जाती है, बेटियां ना जाने कब बड़ी हो जाती है।

– प्रशांत श्रीवास्तव

फर्ज़ नींद में हो

फर्ज़ नींद में हो जहाँ,जागे बस अधिकार। देश प्रेम का फिर वहाँ, कैसे हो संचार। ओझा कोई फूँक दे, इस पर ऐसा मंत्र। बाहर आये अब निकल कौमा से गणतंत्र। मेरा भारत विश्व मे, बने सदा सिरमौर। जांत पाँत, दु:ख द्वेष का, थमे यहीं पे दौर। भारत बुड्ढे बाप सा,बिलखे होय अधीर। बच्चे नफ़रत से भरे, नहीं समझते पीर।

– आशा पांडेय ओझा

ख़ास पाती | कभी वो समन्दर का हिस्सा

कभी वो समन्दर का हिस्सा रही है लहर जो किनारों से टकरा रही है वही रहगुज़र है वही हैं मनाज़िर क़दम थक गए आँख उकता रही है सिरे ज़िन्दगी के नहीं मिल रहे हैं मेरे हाथ केवल थकन आ रही है तेरे हिज्र का शोर थमने लगा अब मुझे आजकल नींद भी आ रही है तेरे इश्क़ के रंग कच्चे थे सारे तभी मेरी तस्वीर धुँधला रही है तसव्वुर तेरा फिर न तूफ़ाँ उठा दे ज़बाँ शेर कहने से कतरा रही है 'सुमन' जाग ख़्वाबों से बाहर निकल आ सरापा तुझे धूप झुलसा रही है। – चित्रा भारद्वाज

रोजगार और भविष्य की चिंता

रोजगार और भविष्य की चिंता , नाकामी का भय और पीड़ा।यह युवाओं को अंदर से तोड़ देता है।देश का भविष्य उसकी समृद्धि देश के युवाओं के अंदर उत्साह और उसके हाथों में रोजगार का हथियार देने में ही है। सरकार को समझ आना चाहिए कि छात्रों के साथ जबर्दस्ती करके गलती कर रहे हैं। समय रहते इसे सभांल लेना होगा वरना देश विरोधी एक्टिव हो जायेंगे।

– दिव्या राकेश शर्मा

कुछ तो मतलब लो समझ तुम

कुछ तो मतलब लो समझ तुम दोस्ती का खूबसूरत रिश्ता है ये ज़िन्दगी का एक लम्हें में हुए बेचैन क्यूँ तुम अपना तो हर एक लम्हा बेबसी का आज कल करते मिलेंगे आशिक़ी वो जानते मतलब नहीं जो आशिक़ी का रूह में इसको बसा ले जब भी कोई इश्क़ बेशक उम्र भर है बस उसी का उम्र भर जो तीरगी जीते रहे तुम एक लम्हा ही बहुत है रोशनी का।

– मित्र ग़ाज़ियाबादी

कहनी है इक बात हमें

कहनी है इक बात हमें इस देश मे रहने वालों से सम्हल कर रहना अपने घर मे छुपे हुये गद्दारों से बाँटा था इस देश को इक दिन अब दिलों को बाँटने वालों से सम्हल कर रहना हंस की खाल मे छुपे कौओं की गंदी चालों से कुर्सी और सत्ता के लोभी माँ को बेचने वालों से सम्हल के रहना देश के इन रंगे हुये सियारों से।

– शिखा लाहीरी

लोकतंत्र का त्यौहार आया मतदान

लोकतंत्र का त्यौहार आया मतदान का उपहार लाया हे मतदाता तुम हो लोकतंत्र के विधाता लोकलुभावन वादों के जाल में उलझ अपना कीमती मत, मत खोना वरना आगे तुमको पड़ेगा खूब रोना। सोच समझ कर उत्तम को देना तुम मतदान, जो स्वविकास से ऊपर उठकर देश के विकास का करे विधान। – वर्षा ठाकुर

कुर्सी खातिर देश के नेता

कुर्सी खातिर देश के नेता देश भक्ति भूल गये, जो थे रेड़ के पेड़ आज बरगद जैसे फूल गये। भगत सिंह को भूल याद किए सिर्फ गांधी को। आओ उन्हे याद करे जो फांसी पर झूल गये।

– संजय सिंह राजपूत

वक्त के साथ झुझलाहट बढ़ती

वक्त के साथ झुझलाहट बढ़ती सी जाती हैं लवों के पहचान को लेकर काफी हद पार कर चुके हैं मोहब्बत ही तो हैं जो आपसे ही है हालात से परे रखा हमेशा ए मेरे हमसफ़र वक्त के साथ झुझलाहट बढ़ती सी जाती हैं तुम मेरे ही हो प्रिय हर लवों पे तुम ही हो प्रिय।

– सोनू कुमार आकाश

QUIZ TIME

1) वास्तुशिल्प से संबंधित किस शब्द का प्रयोग सामान्यतया एक ही आकार की चापों की श्रृंखला के लिए किया जाता है?

2) किस बाड़े का नाम छह सौ फुट की दूरी के मापन की यूनानी इकाई के नाम पर रखा गया है?

3) 1545 में शेरशाह द्वारा दिल्ली में निर्मित किस स्मारक का वर्तमान नाम अंग्रेजों द्वारा बहादुर शाह जफर द्वितीय के दो पुत्रों को प्राणदंड दिए जाने की घटना से प्रभावित होकर रखा गया?

4) अपनी जीवन सहायक अक्षमता के कारण किस गैस का नाम फ्रेंच रसायनशास्त्री एंटॉइन लावोजियर द्वारा 'एजॉट' रखा गया, जब उन्होंने एक तत्व के रूप में इसकी खोज की थी?

5) सातवीं शताब्दी में राजा अजय पाल चैहान द्वारा बनाए गए किस किले पर मोहम्मद गौरी ने 1193 ईस्वी में पृथ्वीराज चैहान को परास्त करने के बाद कब्जा कर लिया था?

Ramaquiz

उत्तरमाला- (1) आर्केड (2) स्टेडियम (3) खूनी दरवाजा (4) नाइट्रोजन (5) तारागढ़ किला

आज का इतिहास

नई दिल्ली (वार्ता)। 1813 -यूनाइटेड किंगडम (ब्रिटेन) में पहली बार 'प्राइड एंड प्रेजुडिस' किताब का प्रकाशन हुआ। 1835 -पश्चिम बंगाल में कलकत्ता मेडिकल कॉलेज की शुरुआत हुई। 1860 -ब्रिटेन ने औपचारिक रूप से निकारागुआ को मास्क्विटो तट लौटा दिया। 1865 -स्वतंत्रता सेनानी लाला लाजपत राय का जन्म। 1878 -'येल डेली न्यूज़' अमेरिका में प्रकाशित होने वाला पहला दैनिक समाचारपत्र बना। 1878 -अमेरिका के न्यू हेवन में पहला टेलीफोन एक्सचेंज बना। 1887 -फ्रांस की राजधानी पेरिस में एफिल टॉवर का काम शुरू। 1909 -क्यूबा पर से अमेरिका का नियंत्रण समाप्त हो गया। 1909 -सेना के 'प्रथम भारतीय सेनाध्यक्ष' के.एस. करियप्पा का जन्म। 1926 -हिन्दी के प्रसिद्ध साहित्यकार, सफल सम्पादक, संस्कृत के प्रकाण्ड विद्वान और जाने-माने भाषाविद विद्यानिवास मिश्र का जन्म। 1928- देश के प्रमुख फिजिस?ट राजा रामन?ना का जन?म हुआ था। 1930 -भारतीय शास्त्रीय संगीत के विश्वविख्यात गायक पंडित जसराज का जन्म। 1932 -जापानी सेना ने शंघाई (चीन) पर कब्जा किया। 1933 -चौधरी रहमत अली ख़ाँ ने मुस्लिम लीग की मांग के तहत बनने वाले अलग राष्ट्र के लिए पाकिस्तान का नाम सुझाया। 1935 -आइसलैंड गर्भपात को क़ानूनी स्वीकृति देने वाला पहला देश बना। 1939 -आयरिश कवि विलियम बटलर योटस का निधन। 1943 -एडोल्फ़ हिटलर ने जर्मनी के सभी युवकों को फ़ौज में जबरन भर्ती का आदेश दिया।

न्यूज गैलरी

एनएसयूआई ने स्वर्ण जयंती स्तंभ चैक में दिया जलाकर अमर शहीदों का किया याद

मुंगेली/नवप्रदेश। एक दिया अमर शहीदों के नाम की एक मुहिम छेड़ी गयी है जिसमें पूरे प्रदेश भर में एनएसयूआई के कार्यकर्ताओं द्वारा शहीदों के स्मरण में चौक -चौराहे व घर के सामने दीप प्रज्वलित किया जाना है। इसी मुहिम के तहत आज मुंगेली एनएसयूआई के साथियों द्वारा स्वर्ण जयंती स्तम्भ चौक में दीप प्रज्वलन कर उनकी शहादत को नमन किया गया। इस कार्यक्रम में छैन्प राष्ट्रीय सहसंयोजक गोविन्दा गोस्वामी, मितेश चंद्राकर, मनोज सोनकर, महेंद्र साहू, यज्ञ पटेल, लक्की पटेल, सार्थक पाण्डेय, महावीर सोनी, मोतीलाल साहू, प्रशांत साहू, नितेश साहू, गौरीशंकर साहू, नीलेश साहू, अविनाश साहू, उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने किया कलेक्ट्रेट कार्यालय परिसर में ध्वजारोहण

सूरजपुर/नवप्रदेश। 26 जनवरी 2022 को 73 वे गणतंत्र दिवस के मौके पर कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने कलेक्टोरेट कार्यालय परिसर में ध्वजारोहण किया। राष्ट्रपिता गांधी जी के प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किया। उन्होंने अधिकारियों-कर्मचारियों को 26 जनवरी गणतंत्र दिवस की बधाई एवं शुभकामनाएं दी। इस दौरान उन्होंने सभी अधिकारियों, कर्मचारियों का उत्साह कर सभी प्रशासनिक कार्य को समन्वय टीम भावना से करने कहां है। उन्होंने कहा कि हम सब एक टीम है और इसी भावना के साथ हमें कार्य करना हैं। कार्यालयीन कार्य को करते हुए पारिवारिक जिम्मेदारियों का भी निर्वहन करना है। हमारे सामने कठिनाईया कई तरह से अवरोध उत्पन करेंगी। जिससे हमें विचलित नहीं होना हैं, और हमें अपने कर्तव्यों का निष्ठापूर्वक निरंतर निर्वहन करना है। इस दौरान पुलिस अधीक्षक राजेश अग्रवाल, जिला पंचायत सीईओ राहुल देव, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हरीश राठौर, संयुक्त कलेक्टर शिव बनर्जी, सहित कार्यालय के विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

जिला कार्यालय में कलेक्टर ने किया ध्वजारोहण

बीजापुर/नवप्रदेश। गणतंत्र दिवस के पावन अवसर पर जिला कार्यालय बीजापुर में कलेक्टर राजेन्द्र कटारा ने अधिकारियों-कर्मचारियों की उपस्थिति में ध्वजारोहण किया उसके पश्चात् सामूहिक रुप से राष्ट्रगान का गायन किया गया। कलेक्टर कटारा ने गणतंत्र दिवस के अवसर पर सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को बधाई और शुभकामनाएं दी। इस मौके पर एसडीएम बीजापुर व, डीप्टी कलेक्टर मनोज बंजारे सहित विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी तथा कर्मचारी मौजूद थे।

दस्तावेजों व प्रमाण पत्रों का सत्यापन के लिए उपस्थित होने की सूचना

बीजापुर/नवप्रदेश। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी बीजापुर द्वारा विशेष कनिष्ट कर्मचारी चयन बोर्ड बस्तर के माध्यम से स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के तृतीय एवं चथुर्त रिक्त पदों की भर्ती के लिए 26 दिसम्बर 2021 को भर्ती आयोजित की गयी थी। जिसकी वरियता क्रमांक 10 जनवरी 2022 को जारी की गयी है। वरियता क्रमांक के अनुसार रिक्त पदों के अनुरूप दस्तावेजों, प्रमाण पत्रों का सत्यापन हेतु 2 फरवरी 2022 को कार्यालयीन समय के पूर्व प्रातः 10 बजे मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय बीजापुर में समस्त वाछिंत योग्यता प्रमाण पत्रों के साथ उपस्थित होने के लिए कहा गया है। समय पर उपस्थित नहीं होने पर सम्पूर्ण जिम्मेदारी उम्मीदवार की होगी।

कलेक्टोरेट में कलेक्टर ने फहराया राष्ट्रीय ध्वज

मुंगेली/नवप्रदेश। 73वां गणतंत्र दिवस 26 जनवरी के पावन अवसर पर कलेक्टर अजीत वसंत ने जिला कलेक्टोरेट मुंगेली में राष्ट्रीय ध्वज फहराया और राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी की प्रतिमा पर

माल्यार्पण कर राष्ट्रपिता को नमन किया। तत्पश्चात कलेक्टर ने सभी अधिकारी-कर्मचारियों को गणतंत्र दिवस 26 जनवरी की अपनी बधाई एवं शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि शासकीय सेवक के रूप में देश की क्या अपेक्षाएं है, इसके लिए सभी को भारतीय नागरिक होने के नाते अपने कार्यो और दायित्वों का निर्वहन पूरी गंभीरता और ईमानदारी से करना चाहिए। उन्होने अधिकारी-कर्मचारियों को टीम भावना के साथ कार्य करते हुए।जिले को विकास की नई ऊंचाईयों पर ले जाने की बात कहीं। इस अवसर पर संयुक्त कलेक्टर द्वय तीर्थराज अग्रवाल, नम्रता आनंद डोंगरे सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित थे।

जिले में गरिमामय ढंग से मनाया गया गणतंत्र दिवस

बीजापुर/नवप्रदेश। जिला मुख्यालय बीजापुर के मिनी स्टेडियम मैदान में आयोजित 73वें गणतंत्र दिवस के मुख्य समारोह में प्रातः 9 बजे मुख्य अतिथि बस्तर विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष एवं स्थानीय विधायक विक्रम शाह मंडावी ने ध्वजारोहण किया। इसके साथ ही सामूहिक राष्ट्रगान का गायन किया गया। वहीं पुलिस और नगर सेना की टुकड़ियों द्वारा सलामी दी गयी। इसके पश्चात मुख्य अतिथि बस्तर विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष एवं स्थानीय विधायक मंडावी द्वारा मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के प्रदेश की जनता के नाम संदेश का वाचन किया गया। इस दौरान हर्ष एवं उल्लास के प्रतीक रंगीन गुब्बारे व कबूतर आकाश में छोड़े गये। राज्य शासन के निर्देशानुसार गणतंत्र दिवस समारोह के दौरान कोविड-19 के दिशा-निर्देशों का अनुपालन किया गया। इस दौरान कार्यक्रम स्थल के प्रवेश द्वार में थर्मल स्केनिंग और सैनेटाईजर की व्यवस्था सहित मास्क की उपलब्धता भी सुनिश्चित की गयी थी। जिला पंचायत अध्यक्ष शंकर कुड़ियम, जिला पंचायत उपाध्यक्ष कमलेश कारम, जिला पंचायत सदस्य नीना रावतिय उद्दे, नगरपालिका परिषद बीजापुर के अध्यक्ष बेनहूर रावतिया सहित क्षेत्र के जनप्रतिनिधी, पंचायत पदाधिकारी और डीआईजी सीआरपीएफ कोमल सिंह, कलेक्टर राजेन्द्र कटारा, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट जितेन्द्र ठाकुर, पुलिस अधीक्षक डॉ. पंकज शुक्ला, सीईओ जिला पंचायत रवि साहू, एसडीएम बीजापुर, वन मंडलाधिकारी अशोक पटेल तथा जिला प्रशासन के अधिकारी-कर्मचारी, मीडिया प्रतिनिधी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित थे। इस अवसर पर मुख्य अतिथि मंडावी ने शहीद जवानों के परिजनों को शॉल एवं श्रीफल भेंटकर सम्मानित किया। इसके साथ ही कोरोना वारियर्स चिकित्सकों, स्वास्थ्य कर्मचारियों, पुलिस जवानों, स्वच्छता कर्मचारियों तथा वालेंटियर्स को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

सादगी से कोविड प्रोटोकॉल का पालन करते हुए मनाया गया गणतंत्र दिवस

- प्रभारी मंत्री डॉ. प्रेमसाय सिंह टेकाम ने सीएसईबी फुटबॉल ग्राउंड पर किया ध्वजारोहण
- शहीदों के परिवारों का किया सम्मान, कोरोना वारियर्स भी हुए सम्मानित

कोरबा/नवप्रदेश। कोरोना संक्रमण के कारण कोरबा जिले में गणतंत्र दिवस का पर्व सादगी और सम्मान के साथ कोविड प्रोटोकॉल का पालन करते हुए मनाया गया। इस अवसर पर आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास, पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक विकास, स्कूल शिक्षा एवं सहकारिता विभाग मंत्री तथा जिले के प्रभारी मंत्री डॉ. प्रेमसाय सिंह टेकाम ने आज गणतंत्र दिवस पर कोरबा जिला मुख्यालय स्थित सीएसईबी फुटबॉल ग्राउंड पर आयोजित संक्षिप्त कार्यक्रम में ध्वजारोहण किया और सशस्त्र बलों की टुकड़ियों की सलामी ली। उन्होंने इस अवसर पर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल का प्रदेश की जनता के नाम संदेश का वाचन भी किया। डॉ. टेकाम ने कोरबा वासियों को गणतंत्र दिवस की बधाई देते हुए संविधान के प्रावधानों का पालन करते हुए अग्रणी छत्तीसगढ़ के निर्माण में सहयोग की अपील की। इस अवसर पर अनेकता में एकता के प्रतीक गुब्बारे आकाश में छोड़े।

प्रभारी मंत्री डॉ. टेकाम ने शॉल और श्रीफल भेंटकर शहीदो के परिजनों का सम्मान भी किया। कार्यक्रम में 73 कोरोना वारियर्स डॉक्टरों, पुलिस कर्मियों, स्वास्थ्य कर्मियों एवं स्वच्छता मित्रों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में उत्कृष्ट कार्य करने वाले शासकीय अधिकारी-कर्मचारियों को भी पुरस्कृत किया गया। समारोह में महापौर राजकिशोर प्रसाद, नगर निगम के सभापति श्याम सुंदर सोनी, कलेक्टर रानू साहू, पुलिस अधीक्षक भोजराम पटेल, जिला पंचायत सीईओ नूतन कंवर, नगर निगम आयुक्त प्रभाकर पांडेय, एडीएम सुनील नायक, डीएफ ओ कोरबा प्रियंका पांडेय सहित अन्य अधिकारीगण, जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक मौजूद रहे। गणतंत्र दिवस के अवसर पर जिले के सभी शासकीय कार्यालयों में भी ध्वजारोहण किया गया। कोरोना संक्रमण की आशंका के कारण इस बार मुख्य समारोह में मार्च पास्ट नही हुई। सशस्त्र बलों द्वारा केवल राष्ट्रीय ध्वज को सलामी दी गयी। कोरोना संक्रमण को ध्यान में रखते हुए इस वर्ष गणतंत्र दिवस के कार्यक्रम में स्कूली छात्र-छात्राओं की भागीदारी भी प्रतिबंधित रही। सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित नहीं हुए। कार्यक्रम में सभी लोग मास्क पहनकर और सामाजिक दूरी का पालन करते हुए शामिल हुए। गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या से ही सभी शासकीय एवं सार्वजनिक भवनों तथा राष्ट्रीय महत्व के स्मारकों पर रोशनी की गई।

एसपी ने फहराया तिरंगा, अच्छे कार्यों के लिए किया पुरस्कृत

गणतंत्र दिवस के अवसर पर पुलिस अधीक्षक कोरबा भोज राम पटेल के द्वारा पुलिस अधीक्षक कार्यालय में ध्वजारोहण किया गया। साथ ही अधिकारी कर्मचारियों का हौसला अफजाई करते हुए वर्ष में किए गए अच्छे कार्यों के लिए पुरस्कृत किया गया । इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा, उप पुलिस अधीक्षक मुख्यालय शेर बहादुर, प्रदीप येरेवार, नगर पुलिस अधीक्षक योगेश साहू, सहित जिले के अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे।

कलेक्टर ने कलेक्टोरेट में किया ध्वजारोहण

कलेक्टर रानू साहू ने कोविड प्रोटोकॉल का पालन करते हुए गणतंत्र दिवस के अवसर पर कलेक्टोरेट में राष्ट्र ध्वज फहराया। ध्वजारोहण के बाद राष्ट्रीय ध्वज को सशस्त्र बलों की टुकड़ी द्वारा सलामी दी गई। मास्क पहने और सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करते हुए सभी उपस्थित अधिकारी-कर्मचारियों ने राष्ट्रगान गाया। कलेक्टर श्रीमती साहू ने सभी अधिकारी एवं कर्मचारियों को गणतंत्र दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी। कलेक्टर ने अपने शासकीय उत्तरदायित्वों का निष्ठापूर्वक निर्वहन करते हुए राष्ट्र की प्रगति में अपना महत्वपूर्ण योगदान देने के लिए सभी अधिकारी एवं कर्मचारियों को प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि हमारे संविधान ने नागरिकों सहित शासकीय सेवकों को भी कई अधिकार दिए है और कर्तव्यों से भी बांधा है। कलेक्टर ने कहा कि शासकीय नियमों और कानूनों के दायरे में सभी शासकीय सेवकों को अधिक से अधिक लोगों को शासन के योजना के लाभ दिलाने का प्रयास करना चाहिए। इसके साथ ही जनहित में काम करने के लिए दूसरें लोगों को भी प्रेरित करना चाहिए। इस अवसर एडीएम श्री सुनील नायक सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।कलेक्टर निवास में किया गया ध्वजारोहण- कलेक्टर ने गणतंत्र दिवस के अवसर पर कलेक्टर बंगला में ध्वजारोहण किया। इस अवसर पर अन्य कर्मचारीगण मौजूद रहें।

नई ऊर्जा और संकल्प के साथ आगे बढ़ने का समय : नवीन जिंदल

जिंदल स्टील एंड पॉवर में मनाया गया गणतंत्र दिवस

रायगढ़/नवप्रदेश। जिंदल स्टील एंड पॉवर के रायगढ़ संयंत्र में 73वां गणतंत्र दिवस उत्साह के साथ मनाया गया। कंपनी के सीओओ छत्तीसगढ़ दिनेश कुमार सरावगी ने ध्वजारोहण कर समूह के चेयरमैन नवीन जिंदल का संदेश सुनाया। अपने संदेश में श्री जिंदल ने कहा कि अब अपने राष्ट्रीय लक्ष्यों को हासिल करने के लिए नई ऊर्जा और संकल्प के साथ आगे बढ़ने का समय है। उन्होंने सभी देशवासियों से आत्मनिर्भर, मजबूत और समृद्ध भारत बनाने के लिए साथ जुटने का आह्वान किया। जेएसपी में मुख्य समारोह का आयोजन संयंत्र परिसर स्थित पोलो मैदान में आयोजित किया गया। कोविड-19 महामारी से जुड़ी सावधानियों को ध्यान में रखते हुए इस वर्ष सिर्फ चुनिंदा

विभागाध्यक्षों की उपस्थिति में ही ध्वजारोहण किया गया। सीओओ छत्तीसगढ़ दिनेश कुमार सरावगी ने ध्वजारोहण के बाद सुरक्षाकर्मियों के मार्चपास्ट की सलामी ली। उन्होंने स्वाधीनता सेनानियों और संविधान निर्माताओं के साथ देश के अमर शहीदों को नमन किया। साथ ही कोविड-19 महामारी के दौरान पूरी कर्मठता से अपना योगदान देने वाले कोरोना वारियर्स का भी आभार जताया। संयंत्र की उपलब्धियों के बारे में बताते हुए उन्होंने कहा कि बीते साल रायगढ़ संयंत्र की समर्पित टीम ने प्रोडक्शन और डिस्पैच दोनों ही मोर्चों पर शानदार प्रदर्शन किया। नई तकनीकों की मदद से कंपनी लगातार अपनी उत्पादन लागत कम करने पर जोर दे रही है। इसके सकारात्मक परिणाम भी सामने आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि कोविड-19 संक्रमण के दौरान जेएसपी फाउंडेशन के माध्यम से जरूरतमंदों तक मदद पहुंचाने का पूरी प्रतिबद्धता से प्रयास किया गया। जेएसपी के ऑक्सीजन संयंत्र से रायगढ़ के शासकीय कोविड केयर केंद्र में ऑक्सीजन सिलेंडर की सतत आपूर्ति की गई, ताकि ऑक्सीजन की कमी से किसी की जान न जाए। इसके अलावा छत्तीसगढ़ के विभिन्न जिलों सहित देश के कई राज्यों में यहां से जीवनदायिनी ऑक्सीजन की आपूर्ति की गई। संयंत्र के आसपास के गांवों सहित पूरे अंचल में सैकड़ों परिवारों को सूखा राशन एवं जरूरी सामग्रियां उपलब्ध कराई गईं।

हर्षोल्लास के साथ मनाया गया 73वां गणतंत्र दिवस, विस उपाध्यक्ष ने किया ध्वजारोहण

कोरोना वारियर्स के साथ उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारी-कर्मचारियों को किया गया सम्मानित

रायगढ़/नवप्रदेश। रायगढ़ में गणतंत्र दिवस का पर्व हर्ष एवं उल्लास के साथ मनाया गया। मिनी स्टेडियम में आयोजित मुख्य समारोह में उपाध्यक्ष छत्तीसगढ़ विधानसभा मनोज सिंह मंडावी ने ध्वजारोहण किया। इसके साथ ही राष्ट्रगान का गायन किया गया व पुलिस की टुकड़ियों द्वारा सलामी दी गई। विधानसभा उपाध्यक्ष मंडावी ने शांति के प्रतीक श्वेत कपोत तथा तिरंगे गुब्बारे आकाश में उड़ाये। इस मौके पर कलेक्टर भीम सिंह ने मुख्यमंत्री के जनता के नाम संदेश का वाचन किया। अपने उद्बोधन में मंडावी ने जिले के वीर सपूत कर्नल विप्लव त्रिपाठी व उनकी पत्नी व पुत्र की शहादत को नमन करते श्रद्धांजलि प्रकट की। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि आज का दिन हम सभी के लिए संविधान के आधारभूत जीवन मूल्यों पर गहरायी से विचार करने एवं संविधान की उद्देशिका में उल्लेखित न्याय, समता, स्वतंत्रता

और बंधुता की अवधारणा को दृढ़ता व निष्ठा से पालन करने का अवसर है। गणतंत्र की प्रभावशीलता तब तक ही है, जब तक हम इसके इतिहास को याद रखते हुए, देशभक्ति, देशसेवा, देशहित और देश उत्थान के प्रति हर काल, परिस्थिति में पूर्ण समर्पण भाव से सहयोग के लिए तत्पर रहेंगे। उन्होंने कोरोना महामारी की तीसरी लहर को नियंत्रित करने में संलग्न सभी के सहयोग व कर्तव्यनिष्ठा की सराहना करते हुए कहा कि सामूहिक प्रयासों से हम महामारी को नियंत्रित करने में निश्चित ही सफ ल होंगे। गणतंत्र दिवस पर मुख्य अतिथि द्वारा कोरोना वारियर्स तथा उत्कृष्ट कार्य के लिए विभिन्न विभागों के अधिकारियों-कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

229 बटालियन, केरिपु बल ने गणतंत्र दिवस हर्षोउल्लास के साथ मनाया गया

बीजापुर/नवप्रदेश। 26, जनवरी, 2022 बुधवार के दिन छग राज्य के जिला बीजापुर में तैनात केरिपु बल की 229 बटालियन के मुख्यालय में पुष्पेंद्र कुमार, कमाण्डेंट 229 बटालियन, केरिपु बल की अध्यक्षता में गणतंत्र दिवस की 73 वीं वर्षगांठ को बड़े ही हर्ष एवं उल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर मुख्यालय-229 बटालियन में झण्डा रोहण समारोह किया गया जिसमें पुष्पेंद्र कुमार, कमाण्डेंट-229 बटालियन के साथ सभी राजपत्रित अधिकारी, अधीनस्थ अधिकारी व जवान उपस्थित हुए। इस अवसर पर उन जवानों को श्रद्धांजलि देकर याद किया गया जिन्होंने अपने कर्तव्यों का पालन करते हुए इस देश की लिए अपना बलिदान दिया है। साथ ही साथ कमाण्डेंट के द्वारा सभी उपस्थित अधिकारी, अधीनस्थ अधिकारी एवं जवानों को एवं उनके परिजनों को इस दिवस की हार्दिक बधाई दी गई। इस अवसर पर पुष्पेन्द्र कुमार, कमाण्डेंट 229 बटालियन द्वारा सभी को संबोधित करते हुए बताया गया कि 26 जनवरी 1950 को हमारा संविधान लागू हुआ था एवं आज के ही दिन वर्ष 1950 में हमारा देश एक लोकतांत्रिक गणराज्य बना था। हमारा देश भारत, विश्व का सबसे बड़ा लोक तांत्रिक गणराज्य है जोकि हमारे संविधान की ही देन है इसके साथ ही कमाण्डेंट द्वारा वर्तमान सामाजिक एवं राष्ट्रीय परिवेश में देश के सामाजिक मूल्यों की रक्षा करने के लिए केरिपु बल के साथ-साथ अन्य सुरक्षा बलों के महत्तव को भी समझाया। अंत में इस वर्ष के दौरान केरिपु बल एवं अन्य सुरक्षा बलों के जिन कार्मिकों द्वारा उपलब्धियों एवं पदकों को प्राप्त किया गया, उनके नाम कमाण्डेंट के द्वारा सभी उपस्थित अधिकारियों अधीनस्थ अधिकारियों एवं जवानों को सुनाए और इसके उपरांत समारोह का समापन किया गया।

हर्षोल्लास के साथ मनाया गया 73वां गणतंत्र दिवस

मुंगेली/नवप्रदेश। 73वां गणतंत्र दिवस 26 जनवरी को जिले में गरिमामय और हर्षोल्लास वातावरण में मनाया गया। प्रदेश के लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री तथा जिले के प्रभारी मंत्री गुरू रूद्र कुमार ने मुख्य अतिथि की आसंदी से प्रातः 09 बजे जिला मुख्यालय मुंगेली स्थित डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी स्टेडियम में आयोजित जिला स्तरीय मुख्य समारोह में राष्ट्रीय ध्वज फहराया। इस अवसर पर जिला कलेक्टर अजीत वसंत और जिले के पुलिस अधीक्षक डी.आर आंचला भी मौजूद थे। मुख्य अतिथि गुरू रूद्र कुमार ने मुख्यमंत्री भूपेश बघेल द्वारा जनता के नाम प्रेषित संदेश का वाचन किया। इस अवसर पर उन्होने मुख्यमंत्री श्री बघेल और अपनी ओर से प्रदेश सहित मुंगेली जिले के नागरिकों को 73 वॉं गणतंत्र दिवस 26 जनवरी की बधाई और शुभकामनाएं दी। मुख्य अतिथि ने मुख्यमंत्री द्वारा जनता के नाम प्रेषित संदेश का वाचन करते हुए कहा कि जब हम अपने गौरवशाली संविधान की बात करते है, तो हमारे आखों के समाने उन अमर शहीदों के चेहरे नजर आते हैं। जिनकी बदौलत भारत आजाद हुआ था। ‘राष्ट्रपिता महात्मा गांधी, प्रथम

राष्ट्रपति डॉ. राजेन्द्र प्रसाद, प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू, प्रथम विधि मंत्री बाबा साहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर, प्रथम उप प्रधानमंत्री तथा गृह मंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल, प्रथम शिक्षा मंत्री मौलाना अबुल कलाम आजाद सहित, संविधान निर्माण की प्रक्रिया में शामिल महानुभावों और उस दौर की विभूतियों ने भारत के नवनिर्माण की नींव रखी थी, उसी पर देश बुलंदियों के नए-नए शिखरों पर पहुंचा है। मैं उन सभी के योगदान को याद करते हुए सादर नमन करता हूं। उन्होने जनता के नाम प्रेषित संदेश का वाचन करते हुए कहा कि हमे इस बात का पुरजोर अहसास होता है कि हमारे संविधान ही हमारे लोकतांत्रित मूल्यों, मौलिक अधिकारों का प्रणेता है। इसे सहेजकर रखना हम सबका परम कर्तव्य है। इस वर्ष हम देश की आजादी की 75वीं सालगिरह मनाएंगे। आज भी हमारी सबसे बड़ी जरूरत आपसी एकता की है, समन्वय की है, आपसी प्यार और सहभागिता से आगे बढ़ने की है। ताकि नकारात्मक विचारों को किसी भी क्षेत्र में स्थान न मिल पाये। इसी क्रम में उन्होने जिले में विभिन्न विभागों में कार्यरत उत्कृष्ट कार्य करने वाले 86 अधिकारी-कर्मचारियों को प्रमाण पत्र और प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। इनमें कलेक्टर कार्यालय, पुलिस अधीक्षक कार्यालय, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग, आयुर्वेद अधिकारी, पशु चिकित्सा सेवाएं, जिला पंचायत, सभी अनुविभाग के अनुविभागीय अधिकारी कार्यालय, जनपद पंचायत, जिला शिक्षा अधिकारी, महिला एवं बाल विकास विभाग, श्रम विभाग, विद्युत विभाग, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग और नगर पालिका परिषद मुंगेली के अधिकारी-कर्मचारी शामिल हैं।

नक्सल हमले में शहीद परिवारजनों को शॉल, श्रीफल भेंट कर किया सम्मान

- जिले के विभिन्न विभागों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारी, कर्मचारी हुए सम्मानित

सूरजपुर/नवप्रदेश। 73वें गणतंत्र दिवस समारोह शासकीय बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय स्टेडियम ग्राउण्ड में बृहस्पत सिंह, सरगुजा क्षेत्र आदिवासी विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष एवं रामानुजगंज विधायक के मुख्य आतिथ्य, संसदीय सचिव पारसनाथ राजवाड़े, नगर पालिका अध्यक्ष केके अग्रवाल एवं कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह, पुलिस अधीक्षक राजेश अग्रवाल व जिला सीईओ राहुल देव एवं प्रतिनिधियों, गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति में संपन्न हुआ। मुख्य अतिथि ने ध्वजारोहण कर सलामी दी व उन्होंने मुख्यमंत्री के संदेश का वाचन किया। तत्पश्चात शांति के प्रतीक सफेद कबूतर एवं रंगीन गुब्बारे उड़ाकर शांति का संदेश दिया। इसके बाद कार्यक्रम में जिले के कोरोना वारीयर्स एवं कार्यालयों में उत्कृष्ट कार्य करने

वाले अधिकारियों व कर्मचारियों का सम्मान मुख्य अतिथि ने प्रशस्ति पत्र देकर किया। इस दौरान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हरीश राठौर, प्रशिक्षु आईपीएस संदीप कुमार पटेल, संयुक्त कलेक्टर शिव बनर्जी, एसडीएम रवि सिंह, डिप्टी कलेक्टर वहिदुर्ररमान सहित अधिकारी, कर्मचारी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित थे। मंच का संचालन अशोक उपाध्याय एवं निशा सिंह द्वारा किया गया। आभार प्रदर्शन संयुक्त कलेक्टर शिव बनर्जी ने किया।

शहीद के परिजनों को किया सम्मानित

रामानुजगंज विधायक बृहस्पत सिंह ने 73 वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर नक्सल हमले में शहीद परिवार जनों से मुलाकात कर शॉल व श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया। शहीद प्लाटून कमांडर मानसिद्ध कुजूर ग्राम बंदरचूआ, कुनकुरी, जिला जशपुर की पुत्री सरिता कुजूर प्र. आर. के पद पर थाना भटगांव क्षेत्र अंतर्गत महिला सहायता केंद्र जरही में पदस्थ है को सम्मानित किया गया। शहीद मानसिद्ध कुजुर 16 अक्टूबर 1998 की छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल पांचवी बटालियन जगदलपुर के बीजापुर कैंप में पदस्थापना थी। वे नक्सली सर्चिंग के दौरान बम ब्लास्ट होने से घटनास्थल पर ही शहीद हो गए थे।

प्रशस्ति पत्र देकर मुख्य अतिथि ने किया सम्मानित

जनसम्पर्क विभाग द्वारा सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का मीडिया के विभिन्न प्लेटफार्म के माध्यम से प्रचार-प्रसार, मीडिया कव्हरेज एवं समाचार संकलन, उप व आम निर्वाचन में मीडिया कव्हरेज में उत्कृष्ट कार्य के लिए मुख्य अतिथि ने जनसम्पर्क कार्यालय के लोकेश्वर सिंह व नवीन दुबे को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। विभिन्न विभागों के उत्कृष्ठ कार्य एवं कोरोना वारियर्स को कोविड-19 टीकाकरण अभियान में अहम योगदान देने पर अधिकारियों एवं कर्मचारियों को भी प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया।

महंगा गुटखा सस्ते में पाने डेढ़ लाख में लुटवाया था ट्रक, 6 आरोपी गिरफ्तार

बिलासपुर/नवप्रदेश। 24 जनवरी को राजश्री गुटखे से भरे हुए ट्रक की लुट को अंजाम दिया गया था। जिसमें आरोपी फरार हो गये थे, पुलिस उनकी तलाश कर रही ही थी। इस लुट की गुत्थी को पुलिस ने सुलझा लिया है। महंगे गुटखे को सस्ते में पाने के लालच में डीलर ने लुटेरों से गुटखे से भरा हुआ ट्रक लुटवाया था। पुलिस ने पूरा गुटखा समेत 25 लाख का माल बरामद कर 6 आरोपियों की गिरफ्तारी कर सफलता हासिल कर ली है। 24 जनवरी की सुबह बिलासपुर जिले के सिरगिट्टी क्षेत्र में स्थित राजश्री गुटखे की फैक्ट्री से 407 वाहन में माल लाद कर चालक कोरबा में डिलवरी देने जा रहा था। जब गाड़ी तोरवा थाना क्षेत्र के धुमा पहुँची थी तभी नीली बत्ती में सवार वाहन में 5 युवक पहुंचे और ओवरटेक कर के 407 को रोक लिया। और ड्राइवर के साथ मारपीट करते हुए अपने साथ उसे भर कर ले गए।इसके साथ ही लुटेरों का एक साथी अपने साथ 407 चला कर ले गया। ड्राइवर को लुटेरे रायपुर हाइवे में छोड़ कर फरार हो गए। ड्राइवर ने इसकी सूचना तोरवा थाना में पहुंच कर दी। जिसके बाद पुलिस अधीक्षक पारुल माथुर समेत सभी पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे। एसएसपी ने घेरा बन्दी कर आरोपियों को पकड़ने के निर्देश दिए। जिसके बाद सक्रिय हुई पुलिस के दबाव के कारण लुटेरों ने मस्तूरी थाना क्षेत्र के जयराम नगर से लगे बोरसी के पास ट्रक छोड़ कर फरार हो गए। पर जाने से पहले दूसरे वाहन में माल लाद कर फरार हो गए थे। पुलिस आरोपियो की तलाश में जुटी हुई थी तभी पुलिस को सूचना मिली कि लुटे गए माल को लिंगियाडीह निवासी राकेश मौर्य ने खरीदा हैं। पुलिस ने पवन मौर्य को गिरफ्तार कर जब गुटखे को बरामद किया तब सारी कहानी सामने आ गयी। लिंगियाडीह निवासी पवन मौर्य जनरल स्टोर का संचालक हैं। उसने गुटखे में होने वाले प्रॉफिट और जल्द से जल्द माल खपत होने के चलते लूट के पूर्व आरोपियो के साथ गुटके से भरे ट्रक को लूटने की योजना बनाई थी। तारबहार थाना क्षेत्र में मिट्टी तेल चोरी व लूट की घटना में शामिल 5 आरोपियो को उसने डेढ़ लाख में ट्रक लूटने का ठेका दिया था। खरीदार को गिरफ्तार कर माल जब्ती के बाद लुटेरों की तलाश में तोरवा थाना प्रभारी सुरेंद्र स्वर्णकार, चकरभाठा थाना प्रभारी मनोज नायक लगे हुए थे। इसी बीच उनके टीम के सदस्य गोविंद शर्मा व संजीव जांगड़े को अपने मुखबिरों से सूचना मिली कि खरसिया में लूट के 5 आरोपी छुपे हुए हैं। जिसके बाद उनकी टीम ने खरसिया से 5 लुटेरो को भी गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार किये गये आरोपियों में पवन मौर्य पिता रमेश मौर्य उम्र 32 वर्ष निवासी लिंगियाडीह (खरीददार), मोहम्मद वसीम पिता मोहम्मद यूसुफउम्र 32 वर्ष सिरगिट्टी, शेख साहिल पिता शेख समीर उम्र 30 साल लिंगियाडीह, राकेश नायडू पिता कृष्णा राव नायडू उम्र 31 वर्ष टिकरापारा उम्र, राघव सोनी पिता श्री राम स्वरूप सोनी उम्र 35 वर्ष अटल आवास सरकण्डा शामिल है। इस लूट के सामान में सफेद रंग की महिंद्रा केयूवी-100 कार, 2-6 नग मोबाईल फोन, सफेद रंग की स्वराज माजदा, स्लेटी रंग की टाटा 407, राजश्री गुटखा 140 पैकेट बड़ा एवं 35 बोरी तम्बाखू कीमत 25 लाख बरामदगी की गई है।

राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण में न्यायमूर्ति गौतम भादुड़ी ने किया ध्वजारोहण

बिलासपुर/नवप्रदेश। गणतंत्र दिवस के पावन पर्व पर छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, पुराना उच्च न्यायालय भवन, बिलासपुर के प्रांगण में न्यायमूर्ति गौतम भादुड़ी, न्यायाधीश, छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय एवं कार्यपालक अध्यक्ष, छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा ध्वजारोहण किया गया। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के अन्य नयायाधीश न्यायमूर्ति संजय के. अग्रवाल, न्यायमूर्ति आर.सी.एस. सामंत, न्यायमूर्ति पी.पी. साहू, न्यायमूर्ति गौतम चैरड़िया, न्यायमूर्ति रजनी दुबे, न्यायमूर्ति नरेन्द्र कुमार व्यास, न्यायमूर्ति नरेश कुमार चन्द्रवंशी, न्यायमूर्ति दीपक तिवारी, विशेष रूप से उपस्थित थे। इसके अलावा छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के रजिस्ट्रार जनरल संजय कुमार जायसवाल एवं रजिस्ट्री के अन्य न्यायिक अधिकारीगण, छत्तीसगढ़ राज्य न्यायिक प्रशिक्षण एकेडेमी के डायरेक्टर के.एल. चरयाणी एवं अन्य अधिकारीगण, सुषमा सावंत, जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बिलासपुर, उच्च न्यायालय एवं जिला न्यायालय बिलासपुर के न्यायिक अधिकारीगण, महाधिवक्ता सतीशचन्द्र वर्मा, उच्च न्यायालय अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष अब्दुल वहाब खान, उच्च न्यायालय एवं जिला न्यायालय के अधिवक्तगण, राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के सदस्य सचिव सिद्धार्थ अग्रवाल, अवर सचिव द्विजेन्द्र नाथ ठाकुर एवं एवं राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के कर्मचारीगण उपस्थित रहे। ध्वजारोहण कार्यक्रम को कोरोना प्रोटोकॉल का पालन करते हुए किया गया।

संभागायुक्त कार्यालय में ध्वजारोहण

बिलासपुर/नवप्रदेश। संभागायुक्त कार्यालय में प्रभारी संभागायुक्त एवं अपर आयुक्त के. एल. चौहान ने गणतंत्र दिवस 26 जनवरी के अवसर पर प्रातः 8 बजे ध्वजारोहण किया। महात्मा गांधी के चित्र पर माल्यार्पण के पश्चात् राष्ट्र गान ''जन-गण-मन'' गाया गया। इस मौके उपायुक्त अर्चना मिश्रा सहित संभागायुक्त कार्यालय के समस्त अधिकारी-कर्मचारीगण उपस्थित थे।

कलेक्टर ने किया कलेक्टोरेट एवं नए व पुराने कम्पोजिट बिल्डिंग में ध्वजारोहण

बिलासपुर/नवप्रदेश। कलेक्टर डॉ. सारांश मित्तर ने गणतंत्र दिवस 26 जनवरी के अवसर पर पुराने कम्पोजिट बिल्डिंग में प्रातः 7.30 बजे एवं नए कम्पोजिट बिल्डिंग में प्रातः 7.40 बजे तथा जिला कार्यालय परिसर में प्रातः 8 बजे ध्वजारोहण किया। उन्होंने कलेक्टोरेट परिसर स्थित महात्मा गांधी जी के मूर्ति पर भी माल्यार्पण किया। इस मौके पर ''जन-गण-मन'' राष्ट्रगान गाया गया एवं भारत माता की जय एवं गणतंत्र दिवस अमर रहे के नारे लगाये गये। इस मौके पर अपर कलेक्टर जयश्री जैन सहित अन्य प्रशासनिक अधिकारी दोनों कम्पोजिट बिल्डिंग परिसर स्थित समस्त कार्यालयों के एवं जिला कार्यालय के अधिकारी-कर्मचारीगण उपस्थित थे।

सड़क पर घायल पड़ी थी महिला, तहसीलदार ने पहुंचाया अस्पताल

कोटा/नवप्रदेश। कोटा से बिलासपुर मुख्य मार्ग पर मौहारखार के पास बाइक चालक को नशे में धुत एक बाईक चालक ने पीछे से टक्कर मार दी। जिससे ग्राम पंचायत बहेरामुड़ा निवासी राजेश रोहड़ी, उसकी पत्नी राधा बाई सड़क किनारे गिर पड़े जिससे राधा की सर पर गंभीर चोट लगने से बेहोश हो गई। इसी दौरान बिलासपुर की ओर से आ रहे कोटा तहसीलदार ने घायल को सड़क पर तड़पते देखा तो वे उसे अपने वाहन से कोटा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र लेकर पहुंचे। घायल महिला की पति राजेश रोहणी ने बताया कि निजी बैंक कंपनी में लोन लेने के लिए मौहारखार के पास ऑफिस जा रहे थे। इसी दौरान पीछे से आ रहे वाहन चालक ने बाइक को पीछे से टक्कर मार दी। दुर्घटना के दौरान लोगों की भीड़ जमा हो गई। तभी बिलासपुर की ओर से कोटा आ रहे तहसीलदार प्रांजल मिश्रा ने घायल राधा बाई को सड़क पर तड़पते देखा। तहसीलदार अपने वाहन से घायल को इलाज के लिए अस्पताल लेकर पहुंचे। अस्पताल में घायल राधा बाई का इलाज चल रहा है।

नायब तहसीलदार ने तिरंगा फहराकर ली सलामी

कांकेर/नवप्रदेश। गणतंत्र दिवस के उपलक्ष्य में उप तहसील कार्यालय सरोना में गणतंत्र दिवस का पर्व हर्षोल्लास एवं गर्व के साथ कोविड नियमो का पालन करते हुए मनाया गया। इस दौरान तहसील प्रांगण में नायब तहसीलदार नीरज कुमार द्वारा कार्यालय परिसर में ध्वजारोहण कर सलामी ली गई। सलामी के बाद राष्ट्रीय गान पढ़ा गया। ध्वजारोहण के बाद मिठाई वितरण किया गया। कार्यक्रम के पश्चात राजस्व निरीक्षक कार्यालय परिसर में कोटवारों के सम्मान में संस्था प्रमुख नीरज बंजारे के निर्देश पर कोटवारों के सम्मान में कोटवारों के द्वारा ध्वजारोहण किया गया।

73वें गणतंत्र दिवस पर संसदीय सचिव ने किया ध्वजारोहण

- **कोरोना वारियर्स स्वतंत्रता संग्राम सेनानी व शहीदों के परिजन सम्मानित**

बिलासपुर/नवप्रदेश। 73वां गणतंत्र पर्व जिले में गरिमामय माहौल में कोविड-19 के प्रोटोकाल का पालन करते हुए उत्साहपूर्वक मनाया गया। मुख्य समारोह पुलिस ग्राउंड में आयोजित किया गया। लोक निर्माण, गृह, जेल, धार्मिक न्यास, धर्मस्व एवं पर्यटन के संसदीय सचिव विकास उपाध्याय ने ध्वजारोहण किया। पुलिस एवं नगर सेना द्वारा राष्ट्रध्वज को सलामी दी गई। मुख्य अतिथि ने शांति के प्रतीक सफेद कबूतर उड़ाए और हर्षोल्लास और उमंग के प्रतीक तिरंगे गुब्बारे आकाश में छोड़े गये। श्री उपाध्याय ने मुख्यमंत्री भूपेश बघेल का प्रदेश की जनता के नाम संदेश का वाचन किया। इस अवसर मुख्य अतिथि ने नक्सल हिंसा में शहीद हुए जिले के 26 जवानों के परिजनों को सम्मानित किया। मुख्य अतिथि श्री उपाध्याय ने कोरोना संक्रमण काल के दौरान उत्कृष्ट कार्य करने वाले कोरोना वारियर्स तथा विभिन्न विभागों में कर्तव्यनिष्ठता का परिचय देने वाले 58 अधिकारियों, कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। जिनमें स्वास्थ्य विभाग, पुलिस सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी, कर्मचारी शामिल थे। कार्यक्रम में नगर विधायक शैलेश पांडे, छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल के अध्यक्ष अटल श्रीवास्तव, जिला पंचायत अध्यक्ष अरुण सिंह चौहान, महापौर रामशरण यादव, पुलिस महानिरीक्षक रतनलाल डांगी, कलेक्टर डॉ सारांश मित्तर, पुलिस अधीक्षक पारूल माथुर, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी हैरिश एस. सहित अन्य जनप्रतिनिधि व अधिकारी, कर्मचारी, मीडिया तथा गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

73वें गणतंत्र दिवस पर महापौर ने किया ध्वजारोहण

कोरिया/चिरमिरी/नवप्रदेश। 73वे गणतंत्र दिवस के पावन अवसर पर चिरमिरी नगरपालिक निगम की महापौर कंचन जायसवाल ने नगर निगम परिसर में ध्वजारोहण कर गणतंत्र दिवस की बधाई एवं शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम का शुभारंभ सर्वप्रथम देश के राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी की छायाचित्र पर दीप प्रज्वलित व माल्यर्पण कर किया गया, तत्पश्चात ध्वजारोहण कर राष्ट्रगान सम्पन्न हुआ। इस दौरान महापौर कंचन जायसवाल ने गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि हमें अपने लोकतंत्र को मजबूत करने में आप सभी की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने कहा कि आज के ही दिन हमारा गौरवशाली संविधान अस्तित्व में आया था, देश के संविधान ने हमें मौलिक अधिकार देने के साथ कर्तब्य भी निर्धारित किये है, गणतंत्र दिवस भारत की बहुरंगी विविधता और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक है। उन्होंने आगे कहा कि मैं उन सभी महान विभूतियों का स्मरण करती हूं, जिनके संघर्ष से 1950 में आज के दिन हमारा संविधान लागू हुआ अ36

ौर साथ ही उन सभी वीरों को नमन करती हूं जिन्होंने अपने शौर्य से भारतीय गणतंत्र की रक्षा की है। महापौर कंचन ने प्रदेश के मुखिया भूपेश बघेल का जनता के नाम संदेश वाचन किया। इस दौरान नगर निगम की सभापति गायत्री बिरहा,नगर निगम आयुक्त बिजेंद्र सिंह, नगर निगम के एमआईसी रज्ज़ाक खान, शिवांश जैन, एल्डरमैन उमाशंकर अलगमकर, शिवराम प्रधान, शैल कुमारी, पार्षद सन्नी चौहथा, सुनील, मुकेश, प्रताप चौहान, विमला, राकेश परासर सहित निगम के समस्थ अधिकारी कर्मचारी मौजूद रहे।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

वोटर्स को साधने में ...

लेकिन विगत चुनाव में राज्य में भाजपा के कई वरिष्ठ आदिवासी नेता चुनाव हार गए। इस चुनाव में बीजापुर सीट से वन मंत्री महेश गागड़ा, नारायणपुर सीट से स्कूल शिक्षा मंत्री केदार कश्यप और प्रतापपुर सीट से गृहमंत्री रामसेवक पैकरा को हार का सामना करना पड़ा। इसी तरह 2018 में अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित सीटों पर भी कांग्रेस को जीत मिली। कांग्रेस ने 10 आरक्षित सीटों में से सात पर जीत हासिल की। राज्य में अनुसूचित जाति वर्ग की जनसंख्या लगभग 12 फीसद है और इसमें से सतनामी वर्ग मैदानी राजनीति को प्रभावित करते हैं। वर्ष 2013 के चुनाव में भाजपा को अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित 10 में से नौ सीटों पर जीत मिली थी। लेकिन 2018 में केवल दो सीटों पर ही संतोष करना पड़ा। भाजपा ने मस्तुरी और मुंगेली सीट पर जीत हासिल की, जबकि बहुजन समाज पार्टी एक सीट पामगढ़ से जीती। राज्य में अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित सीटों में नवागढ़ से सहकारिता मंत्री दयालदास बघेल चुनाव हार गए।

49-50 के इर्द-गिर्द : प्रदेश में भाजपा को लगातार तीन बार सरकार बनाने का अवसर मिला और तीनों ही बार भाजपा कभी भी 50 सीटों से आगे नहीं बढ़ पाई। 2003 में हुए पहले विधानसभा चुनाव में भाजपा को 50 सीटें हासिल हुई थी। इसके अगले चुनाव 2008 में भी पार्टी को इतनी ही सीटें मिली। जबकि 2013 में उसकी एक सीट घटकर कुल सीटें 49 रह गयी। शायद इसीलिए 2018 चुनाव से ठीक पहले शीर्ष संगठन ने प्रदेश को 75 प्लस का लक्ष्य दिया था। हालांकि जब चुनाव के नतीजे आए तो भाजपा महज 15 सीटों पर सिमट चुकी थी। इसके पीछे केन्द्र की मोदी सरकार की नोटबंदी और व्यापारिक नीतियां तो जिम्मेदार थी हीं, वहीं राज्य सरकार के कई फैसले भी उसके खिलाफ गए। खासतौर पर सरकार के स्वयं शराब बेचने के फैसले और उसकी प्रक्रियाओं ने लोगों को नाराजगी से भर दिया। भाजपा ने एक बड़े वर्ग का वोट खोया, तो उसकी बड़ी वजह यही रही।

45 सीटें ओबीसी के प्रभाव में : बात सिर्फ एससी-एसटी वोटर्स तक ही सीमित नहीं है। दरअसल, भाजपा ओबीसी वोटर्स को साधने में भी लगातार नाकाम रही। यदि पार्टी सत्ता में रहते इसी एक वर्ग को थाम लेती तो शायद नतीजे कुछ और होते। बहरहाल, छत्तीसगढ़ में करीब 45 सीटें ऐसी है, जहां के चुनाव नतीजों पर ओबीसी फैक्टर काम करता है। शायद इसीलिए कुछ महीनों पहले जब केन्द्र की मोदी सरकार ने ओबीसी पर बड़ा दांव खेला तो उसे भुनाने के लिए पार्टी के नेता गांव-गांव पहुंच गए थे। वहीं भूपेश बघेल की अगुवाई वाली प्रदेश सरकार ने भी ओबीसी आरक्षण बढ़ाकर 27 फीसद कर दिया। हालांकि मामला कानूनी पचड़े में फंस गया। अब दोनों ही प्रमुख दल अपने-अपने स्तर पर ओबीसी वोटर्स पर फोकस कर रहे हैं।

दो नोनियों पर बैंक ...

लर्निंग लाइसेंस प्रकिया का सरलीकरण : युवाओं की सहूलियत के लिए लर्निंग लाइसेंस बनाने की प्रक्रिया का सरलीकरण किए जाने का ऐलान किया। इसके लिए वृहद स्तर पर 'परिवहन सुविधा केंद्र' प्रारम्भ किए जाएंगे। इन केन्द्रों को न केवल लर्निंग लाइसेंस बनाने हेतु अधिकृत किया जाएगा अपितु इन केन्द्रों में परिवहन विभाग से संबंधित समस्त सेवाएं नागरिकों को अपने निवास के पास मिल सकेंगी एवं प्रदेश के युवाओं को रोजगार का अवसर मिलेगा।

सरकारी कर्मचारियों के हित में की गई दो घोषणाएं : मुख्यमंत्री ने शासकीय कार्मिकों के हित में भी दो घोषणाएं की। कर्मचारियों के अंशदायी पेंशन योजना के अंतर्गत राज्य सरकार का अंशदान 10 प्रतिशत से बढ़ाकर 14 प्रतिशत किया जाएगा। उन्होंने कर्मचारियों की कार्य क्षमता और उत्पादकता बढ़ाने के लिए 5 कार्य दिवस प्रति सप्ताह प्रणाली पर कार्य करने का ऐलान किया। मुख्यमंत्री ने महिलाओं की सुरक्षा के प्रति प्रतिबद्धता दोहराते हुए हर जिले में 'महिला सुरक्षा प्रकोष्ठ' के गठन की घोषणा की। उन्होंने तीरंदाजी को प्रोत्साहित करने के लिए जगदलपुर में 'शहीद गुंडाधूर' के नाम पर राज्य स्तरीय तीरंदाजी अकादमी प्रारम्भ करने की भी घोषणा की।

पेड़ काटने के नियमों का किया सरलीकरण : मुख्यमंत्री ने वृक्ष कटाई के नियमों की जटिलता एवं इसके कारण वृक्षारोपण में नागरिकों की अरूचि को देखते हुए नागरिकों के हित में इससे जुड़े कानून के सरलीकरण का ऐलान किया। उन्होंने कहा कि इसके लिए सभी प्रासंगिक अधिनियमों और नियमों में आवश्यक संशोधन किए जाएंगे। उन्होंने आगामी खरीफ वर्ष 2022-23 से दलहन फसल जैसे मूंग, उड़द, अरहर इत्यादि की भी खरीदी न्यूनतम समर्थन मूल्य पर किए जाने की घोषणा की।

वित्तीय स्थिति पर सीएम...

गौरतलब है कि बीते 10 वर्षों में दूसरी बार ऐसा निर्देश प्रदेश सरकार ने जारी किया है। छत्तीसगढ़ में वर्ष 2013 में भी तत्कालीन सरकार ने इसी प्रक्रिया को अपनाकर अपना वित्तीय संतुलन को बराबर किया था। लेकिन भाजपा अब विपक्ष में है तो वह अपने जिम्मेदारी का निर्वहन करते दिखाई दे रही है।

कांग्रेस को एटीएम बना दिया - रमन सिंह

पूर्व सीएम डॉ रमन सिंह ने ट्वीटर पर सीएम बघेल से सवाल करते हुए लिखा है कि छत्तीसगढ़ सरकार दिवालिया हो गई है? शायद ही किसी राज्य में ऐसा होता हो कि निगम मंडलों में इमरजेंसी के लिए जमा राशि को सरकार के के- डिपॉजिट में जमा करने कहा जाए। 3 साल में 51000 करोड़ से अधिक का कर्ज, फिर भी ये स्थिति। भूपेश बघेल ने छत्तीसगढ़ को कांग्रेस का एटीएम बना दिया है।

अपने कार्यकाल को याद करें - सीएम भूपेश

वहीं सीएम भूपेश बघेल ने भी पूर्व सीएम डॉ रमन सिंह को उनके कार्यकाल को याद दिलाते हुए के डिपॉजिट के दस्तावेज ट्वीटर पर साझा किया है। सीएम भूपेश ने लिखा चिंतित हूं डॉक्टर साहब! कहीं आप स्मृतिलोप के शिकार तो नहीं हो गए हैं?

के डिपॉजिट है सामान्य प्रक्रिया : मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के पास ही वित्त विभाग की जिम्मेदारी हैं। ऐसे में प्रदेश के आला अधिकारी की माने तो के डिपॉजिट किया जाना सामान्य प्रक्रिया है। राज्य में वित्तीय प्रबंधन को बनाये रखने के लिए ऐसा किया जाता है। प्रक्रिया के जरिये निगम ,मंडलों के बैंक खातों में रखी बची हुई राशि के डिपॉजिट में जमा करना होता है। उन्होंने बताया कि ऑडिटर जनरल का निर्देश है कि बची हुई राशि को संचित निधि से बाहर नहीं रखा जाना है । इसके अतिरिक्त राशि को के डिपॉजिट में रखने से सम्बंधित निगम, मंडल या प्राधिकरण के मद में ही रिकॉर्ड की जाएगी। अगर निगम या मंडल को पैसो की जरूरत पड़ती है तब वह उनकी मांग कर सकता है।

कोरोना वारियर्स एवं खेल प्रतिभागियों को प्रदान किया गया प्रशस्ति पत्र

कांकेर/नवप्रदेश। शासकीय नरहरदेव उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कांकेर के प्रांगण में 73वां गणतंत्रता दिवस गरिमामय ढ़ंग से मनाया गया। प्रदेश के महिला एवं बाल विकास मंत्री तथा जिले के प्रभारी मंत्री अनिला भेड़िया द्वारा इस अवसर पर कोरोना वारियर्स तथा खेल प्रतिभागियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया, जिसमें कांकेर जिले के पर्वतारोही गोटूल स्पोर्टस अकादमी खैरखेड़ा से बंशीलाल नेताम, आरती कंजाम, कल्पना भास्कर, चांदनी जुर्री, राधिका जुर्री, फूलबती सलाम, दशमत वट्टी, पूर्णिमा ठाकुर, भावेश सलाम, महामहिम राज्यपाल से अवार्ड प्राप्त करने वाले स्काउट गाईड रोवर रेंजर्स के 13, राज्य स्तरीय शालेय क्रीडा प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों में यागमुण्डो के 03, एथलेटिक्स के 04, टेनिस बाल क्रिकेट के 06 और हैण्ड बाल के 18, श्रेष्ठ स्वयं सेवक राष्ट्रीय सेवा योजना से शहीद गैंदसिंह शासकीय महाविद्यालय चारामा से कुमारी ज्योति सोनवानी तथा 04 कोरोना वारियर्सो को प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया।

कार्यालय क्षेत्रीय प्रमुख

संचालनालय भौमिकी तथा खनिकर्म, क्षेत्रीय कार्यालय बिलासपुर (छग.)

917/3 शांति नगर, रानी सती मंदिर के पीछे, रिंग रोड नं.-2, बिलासपुर (छ.ग.)-495001

दूरभाष/07752-40502 E-mail-rhdgmbsp@gmail.com

निविदा-सूचना (द्वितीय)

निविदा सूचना क्रमांक 159/आर.एच.डी.जी.एम./2021-2022 — 24 Jan 2022

अधोहस्ताक्षरकर्ता द्वारा संचालनालय भौमिकी तथा खनिकर्म नवा रायपुर (छ.ग.) के अंतर्गत संचालित क्षेत्रीय कार्यो की मानीटरिंग हेतु इस कार्यालय को 02 वाहन किराए पर लिया जाना प्रस्तावित है। अतः इकाइयों द्वारा निर्धारित प्रपत्र में सीलबंद निविदाएं आमंत्रित की जाती है :-

क्र.	निविदा क्रमांक	निविदा का संक्षिप्त विवरण	धरोहर राशि (रु.)
1.	.../आर.एच.डी.जी.एम /2021-2022	किराए पर वाहन लेने हेतु (स्कार्पियो)	20,000.00 प्रत्येक वाहन हेतु

1. निविदा प्रपत्र मय निविदा शर्तें इस कार्यालय से रुपए 300.00 नगद जमा करके कार्यालयीन समय में दिनांक 29.01.2022 से दिनांक 10.02.2022 को 01.00 बजे अपरान्ह तक प्राप्त किए जा सकते हैं।
2. निविदा स्वीकार करने की अंतिम तिथि 11.02.2022 को 02.00 बजे अपरान्ह तक।
3. निविदा खोलने की तिथि 11.02.2022 को अपरान्ह 03.00 बजे।
4. कार्यस्थल रायगढ़ एवं जशपुर जिला के दूरस्थ क्षेत्रों में।
5. शासन द्वारा प्रत्येक माह प्रति वाहन में व्यय सीमा 55000.00 (पचपन हजार मात्र) सभी करों सहित निर्धारित है।
6. बिना धरोहर राशि के प्रस्तुत निविदा स्वीकार नहीं की जावेगी। धरोहर राशि पर कोई ब्याज देय नहीं होगा। अमानत राशि के रूप में 20,000.00 का डिमाण्ड ड्राफ्ट जो क्षेत्रीय प्रमुख, संचालनालय भौमिकी तथा खनिकर्म, क्षेत्रीय कार्यालय बिलासपुर (छ.ग.) के नाम पर देय हो प्रस्तुत करना होगा।
7. सशर्त निविदा अमान्य की जावेगी। क्षेत्रीय प्रमुख, संचालनालय भौमिकी तथा खनिकर्म, क्षेत्रीय कार्यालय बिलासपुर (छ.ग.) को किसी भी निविदा अथवा सभी निविदाएं स्वीकार अथवा अस्वीकार करने का पूर्ण अधिकार रहेगा एवं किसी भी न्यायालय में चुनौती नहीं दी जा सकेगी। किसी भी प्रकार के पोस्टल विलम्ब के लिए कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।
8. निविदा की अन्य नियम व शर्तें कार्यालयीन सूचन पटल पर कार्यालयीन समय में देखी जा सकती है।

जी-67148/2

क्षेत्रीय प्रमुख
संचालनालय भौमिकी एवं खनिकर्म
क्षेत्रीय कार्यालय बिलासपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगरपालिका परिषद सारंगढ़ जिला-रायगढ़ (छ.ग.)

क्रमांक/3729/लो.क./2021-22 — सारंगढ़, दिनांक 25.01.2022

-:: मैनुअल पद्धति निविदा सूचना ::-

एतद् द्वारा नगरपालिका परिषद सारंगढ़ को वर्ष 2022-23 हेतु निम्नानुसार सामग्री प्रदाय हेतु निर्माता/ अधिकृत विक्रेता/ प्रदायकर्ता से भण्डार क्रय नियम के तहत प्रपत्र बी में एवं विभिन्न मदों के निम्नानुसार निर्माण कार्य हेतु प्रपत्र ए में एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत पंजीकृत ठेकेदारों से मैनुअल निविदा आमंत्रित की जाती है :-

1. निविदा प्रपत्र हेतु आवेदन की अंतिम तिथि - 03.02.2022 04.00 बजे शाम तक
2. परीक्षण उपरांत निविदा प्रपत्र प्रदाय करने की तिथि - 08.02.2022 कार्यालयीन समय तक
3. निविदा प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि - 15.02.2022 03.00 बजे दोपहर तक
4. निविदा खोलने की तिथि - 16.02.2022 04.00 बजे दोपहर से

क्र.	कार्य का विवरण	प्राक्कलन राशि (लाख में)	निविदा प्रसंस्करण शुल्क (डीडी)	धरोहर राशि (टी.डी.आर.)	कार्य की अवधि
1	जल प्रदाय सामग्री	15.00	750/-	15000/-	दि. 31.03.2023 तक
2	बोरिंग सामग्री	5.00	750/-	5000/-	दि. 31.03.2023 तक
3	स्वच्छता सामग्री	10.00	750/-	10000/-	दि. 31.03.2023 तक
4	सबमर्सिबल पम्प मरम्मत कार्य	10.00	750/-	10000/-	दि. 31.03.2023 तक
5	पम्प निकालने हेतु केथिल मशीन	5.00	750/-	5000/-	दि. 31.03.2023 तक
6	ओव्हर हेड पानी टंकी की सफाई	8.00	750/-	8000/-	दि. 31.03.2023 तक
7	जोनल टेंडर कार्य (1.50 लाख तक) (CGPWD BUILDING/ROAD SOR 01.01.2015 & ELECTRICAL SOR 01.07.2015 अनुसार)	19.50	750/-	20000/-	दि. 31.03.2023 तक

निविदा की सामान्य शर्तें, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी कार्यालय में कार्यालयीन अवधि में देखी जा सकती है।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगरपालिका परिषद सारंगढ़

पर्यावरण संरक्षण हेतु पॉलीथीन का उपयोग न करें

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक यशवंत धोटे द्वारा, मीनल पब्लिकेशन एंड प्रोडक्शन प्रा.लि. शेड नंबर 74, सरोरा रोड, उरला इंडस्ट्रियल एरिया रायपुर, से मुद्रित कर वर्मा एग्जोटीका फ्लैट नंबर 103, सर्किट हाउस के सामने बिलासपुर से प्रकाशित, संपादक- प्रमोद शर्मा* प्रबंध संपादक- चन्द्रशेखर धोटे, फोन नंबर : 8120029029-9406245514, डाक पंजीयन क्रमांक G-2-112/CG/BPL/108/2020-22

26 जनवरी गणतंत्र दिवस की
हार्दिक शुभकामनाएं
विनीतः अनुविभागीय अधिकारी लोक निर्माण
विभाग (वि./यां) जगदलपुर जिला-बस्तर (छ.ग.)
Happy Republic Day

समस्त बस्तरवासियों को
26 जनवरी गणतंत्र दिवस की
हार्दिक शुभकामनाएं
विनीतः वन परिक्षेत्र अधिकारी
वन परिक्षेत्र जगदलपुर

26 जनवरी गणतंत्र दिवस की
हार्दिक शुभकामनाएं
विनीतः सकलू राम मंडावी सरपंच
ग्राम पंचायत मस्सुकोड़ा

समस्त बस्तरवासियों को
26 जनवरी गणतंत्र दिवस की
हार्दिक शुभकामनाएं
विनीतः वन परिक्षेत्र अधिकारी
वन परिक्षेत्र चित्रकोट

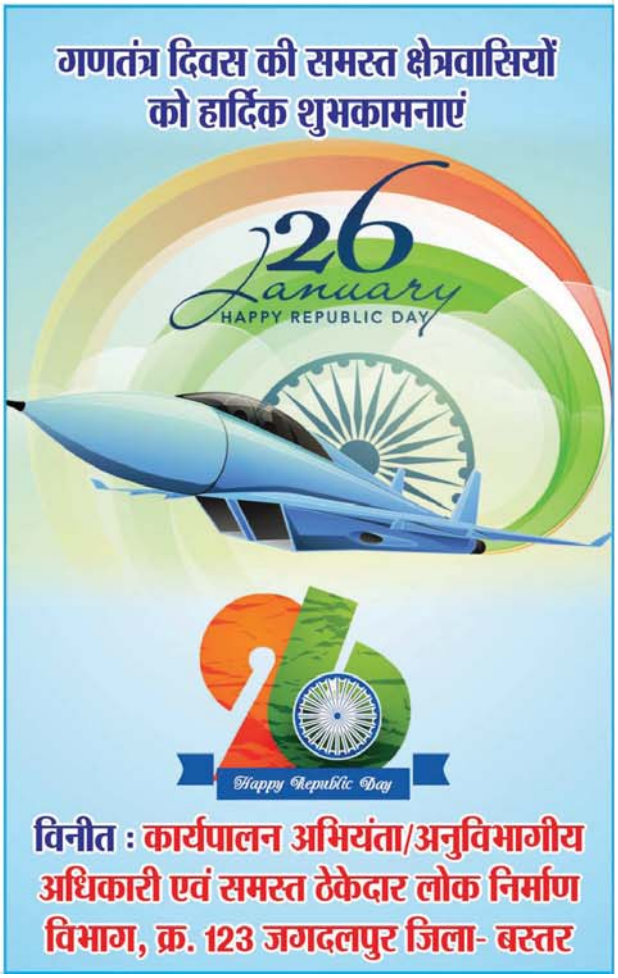
गणतंत्र दिवस की समस्त क्षेत्रवासियों
को हार्दिक शुभकामनाएं
26 January
HAPPY REPUBLIC DAY
Happy Republic Day
विनीत : कार्यपालन अभियंता/अनुविभागीय
अधिकारी एवं समस्त ठेकेदार लोक निर्माण
विभाग, क्र. 123 जगदलपुर जिला- बस्तर

26
JANUARY
गणतंत्र दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएं
कंचन जायसवाल
महापौर चिरमिरी
डॉ विनय जायसवाल
विधायक मनेंद्रगढ़

26 जनवरी गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

शिशुपाल शोरी
संसदीय सचिव
वन आवास पर्यावरण विधि विधायी

नक्सलियों पर पद के अनुसार घोषित ईनाम एवं नक्सलियों द्वारा आत्मसमर्पण करने पर शासन की पुर्नवास नीति के तहत प्रदाय की जाने वाली सुविधाएं:-

क्र.	पद	घोषित ईनाम
1.	सेन्ट्रल कमेटी सचिव	1,00,00,000/-
2.	पोलित ब्यूरो सदस्य	1,00,00,000/-
3	सेन्ट्रल मिलेट्री कमीशन प्रमुख	50,00,000/-
4	सेन्ट्रल कमेटी सदस्य	40,00,000/-
5	डी.के.एस.जेड.सी. सचिव	40,00,000/-
6	स्पेशल एरिया कमेटी सचिव	40,00,000/-
7	स्पेशल जोनल कमेटी सचिव	40,00,000/-
8	स्टेट मिलेट्री कमाण्ड चीफ	25,00,000/-
9	डी.के.एस.जेड.सी./स्टेट कमेटी सदस्य	25,00,000/-
10	रीजनल कमेटी सदस्य	20,00,000/-
11	रीजनल कमाण्ड चीफ	20,00,000/-
12	डिवीजनल कमेटी सचिव	10,00,000/-
13	रीजनल कमेटी सदस्य	10,00,000/-
14	मिलेट्री कंपनी कमाण्डर	10,00,000/-
15	एक्शन टीम कमाण्डर/मिलेट्री प्लाटून कमाण्डर/ डिप्टी कमाण्डर	08,00,000/-
16	एरिया कमेटी सचिव	08,00,000/-
17	डिवीजनल कमेटी सदस्य	08,00,000/-
18	मिलेट्री कंपनी सदस्य	08,00,000/-
19	सी.सी. कुरियर	08,00,000/-
20	जोनल कमेटी सदस्य	08,00,000/-
21	एरिया कमेटी सदस्य	05,00,000/-
22	एलओएस/एलजीएस कमाण्डर	05,00,000/-
23	मिलेट्री प्लाटून सेक्शन कमाण्डर/डिप्टी कमाण्डर	03,00,000/-
24	एलओएस/एलजीएस डिप्टी कमाण्डर	03,00,000/-
25	डी.के.एस.जेड.सी. कुरियर	03,00,000/-
26	मेडिकल टीम प्रभारी	02,00,000/-
27	एलओएस/एलजीएस सदस्य	01,00,000/-
28	डी.ए.के.एम.एस. अध्यक्ष	01,00,000/-
29	सीएनएम अध्यक्ष	01,00,000/-
30	के.सी.सी अध्यक्ष	01,00,000/-

नक्सलियों द्वारा आत्मसमर्पण हेतु जिले के किसी भी थाना/कैम्प प्रभारी से संपर्क कर सकते हैं।

- शासकीय नौकरी।
- आवासीय भूमि/मकान निर्माण हेतु आर्थिक सहायता।
- स्वरोजगार प्रशिक्षण।
- बैंक से ऋण अनुदान।
- बस पास।
- स्मार्ट कार्ड/आयुष्मान कार्ड
- राशन कार्ड
- नगद प्रोत्साहन राशि प्रदाय किया जा रहा है।

क्र.	शस्त्रों के नाम		अनुग्रह राशि
1.	एल.एम.जी		4,50,000/-
2.	2 मोर्टार		2,50,000/-
3.	ए.के.-47		3,00,000/-
4.	एस.एल.आर. रायफल		1,00,000/-
5.	थ्री नाट थ्री रायफल		75,000/-
6.	12 बोर बंदूक		30,000/-
7.	सिंगल शॉट गन		30,000/-
8.	9 एम एम कार्बाइन		20,000/-
9.	पिस्टल/रिवाल्वर		20,000/-
10.	वायरलेस सेट		5,000/-
11.	रिमोट डिवाइस		3,000/-
12.	आई.ई.डी.		3,000/-
13.	विस्फोटक पदार्थ		1,000/-(प्रति किलो)
14.	ग्रेनेड/जिलेटिन राड्स		500/-
15.	सभी प्रकार के एम्युनेशन		05 प्रति एम्युनेशन

श्री शलभ कुमार सिन्हा (भा.पु.से.)
पुलिस अधिक्षक जिला-उत्तर बस्तर कांकेर
मो.नं. 94791-94100

कांकेर पुलिस, सदैव आपके साथ
विनीत : जिला पुलिस, उत्तर बस्तर कांकेर